सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 326 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 08 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

बड़े शहरों से सीधे जुड़ा बस्तर संभाग, अब तक तीन लाख लोगों ने भरी उड़ान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्षों की विकास यात्रा में आवागमन की सुविधाओं का विस्तार महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है। जहां राजधानी रायपुर पहले से ही देश के प्रमुख शहरों से वायु मार्ग से जुड़ा था, वहीं अब बस्तर, बिलासपुर और अंबिकापुर जैसे शहर भी विमान सेवाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। विशेषकर बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में एयरपोर्ट और नियमित यात्री उड़ानों की सुविधा से क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं खुली हैं। नियमित उड़ान सेवा के कारण बस्तर संभाग में तीन लाख से ज्यादा यात्रियों ने उड़ान भरी है।

जगदलपुर स्थित माँ दंतेश्वरी हवाई अड्डा का ऐतिहासिक महत्व है। इसका निर्माण वर्ष 1939 में ब्रिटिश शासनकाल में किया गया था और इसे उस समय ''जहाज भाटा'' नाम से जाना जाता था। वर्ष 2017 में केंद्र सरकार की उड़ान योजना के अंतर्गत भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा हवाई अड्डे के उन्नयन का कार्य प्रारंभ किया गया। वर्ष 2019 में इसे 3-सी श्रेणी में अपग्रेड किया गया, जिससे एटीआर-72 जैसे विमानों का संचालन संभव हुआ। वर्ष 2020 में छत्तीसगढ़ सरकार ने हवाई अड्डे का नामकरण बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के नाम पर किया।

सितंबर 2020 में जगदलपुर से रायपुर और हैदराबाद के लिए एलायंस एयर द्वारा नियमित व्यावसायिक उड़ानें शुरू की गईं। इसके बाद दिल्ली, जबलपुर और बिलासपुर के लिए भी उड़ान सेवाएँ प्रारंभ हुईं। मार्च 2024 से इंडिगो एयरलाइंस ने जगदलपुर को हैदराबाद और रायपुर से जोड़ते हुए दैनिक सेवा शुरू की। पैरामिलिट्री बलों के लिए विशेष दिल्ली सेवा का संचालन भी किया जा रहा है।

लोगों को मिली सुविधा

वर्तमान में जगदलपुर एयरपोर्ट से अब तक लगभग तीन लाख यात्री हवाई यात्रा कर चुके हैं। इससे न केवल स्थानीय नागरिकों को सुविधा मिली है, बल्कि व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। गंभीर मरीजों को बड़े शहरों तक शीघ्र उपचार हेतु पहुंचाना संभव हो पाया है। विद्यार्थी और युवा रोजगार एवं उच्च शिक्षा के लिए बड़े शहरों तक आसानी से पहुँच रहे हैं।

पर्यटन स्थलों तक देश-विदेश से पर्यटक पहुंच रहे

बस्तर के हस्तशिल्प, वनोपज और हर्बल उत्पाद अब देश के बड़े बाजारों तक सरलता से पहुँच रहे हैं। वहीं चित्रकूट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान और ऐतिहासिक बस्तर दशहरा जैसे पर्यटन स्थलों तक देश-विदेश से पर्यटकों की पहुँच भी सहज हुई है। जगदलपुर एयरपोर्ट का संचालन बस्तर अंचल के लिए विकास का नया द्वार सिद्ध हो रहा है। इससे आंतरिक क्षेत्रों तक आधुनिक सुविधाएँ पहुँच रही हैं और बस्तर को राष्ट्रीय परिदृश्य पर नई पहचान मिल रही है।

खास-खबर

उपसरपंच लापता होने से गांव में फैली सनसनी, हत्या की आशंका

सक्ती। जिले से ग्राम पंचायत करही के उपसरपंच महेंद्र बघेल रहस्यमयी तरीके से लापता होने का मामला सामने आया है। महेंद्र 6 सितंबर की रात से वापस घर नहीं लौटे। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चलने पर बिर्रा थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस 6 से 7 संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हालांकि 36 घंटे बाद भी पुलिस उपसरपंच को नहीं ढूंढ पाई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, उपसरपंच महेंद्र बघेल 6 सितंबर की रात 10 बजे से लापता है। आसपास ढूंढने और परिचितों से पूछने के बाद भी महेंद्र नहीं मिला तो परिजनों ने बिर्रा थाने पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 से 7 संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। 36 घंटे के बाद भी उपसरपंच का कोई सुराग नहीं मिला है। वहीं ग्रामीणों ने अनहोनी होने की आशंका जताई है। फिलहाल मामले की जांच में जुटी हुई है।

देश में प्रदुषण चिंता का विषय, पीएम मोदी ने दिया ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा: सीएम साय

राजधानी रायपुर में सौर ऊर्जा जागरूकता अभियान एवं प्रोत्साहन समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में सोमवार को आयोजित सौर ऊर्जा जागरूकता अभियान एवं प्रोत्साहन समारोह का आयोजन किया गया। पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में सुबह 11 बजे से यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप करेंगे। कार्यक्रम में विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा एवं मोतीलाल साहू सहित अन्य विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस मौके पर मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लाभार्थियों को राज्य सब्सिडी ऑनलाइन ट्रांसफर किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री कुसुम योजना का आदेश पत्र भी लाभार्थी किसानों को दिया गया। सीएम साय ने इस अवसर पर कहा कि प्रदुषण व जलवायु परिवर्तन चिंता का विषय है।

सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहित कर रहे हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ में भी सौर ऊर्जा को काफी आगे बढ़ा रहे हैं। उपभोक्ताओं को हाफबिजली बिल से मुफ्त बिजली की ओर

ले जा रहे हैं। इस मौके पर सूर्यघर रथ का रवाना किया है जो लोगों को सौर ऊर्जा के लिए जागरुक करेगा। प्रदेश में 618 लोगों को 30-30 हजार रुपए राज्य सब्सिडी खाते में भेजी है।

दूसरों को भी बेच रहे बिजली

सीएम साय ने कहा सौर ऊर्जा का उपयोग करने वाले न सिर्फ बिजली का उपयोग कर रहे हैं बल्कि दूसरों को बिजली बेच भी रहे हैं। सीएम साय ने कहा है कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत केन्द्र सरकार के साथ ही राज्य सरकार भी सब्सिडी दे रही है। वहीं शेष रकम लोन के माध्यम से मिल रहा है। सीएम साय ने कहा कि आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत कंपोनेट ए और सी को लेटर ऑफ अवार्ड दिए हैं। इन्हें भी ढेर सारी बधाई। सीएम साय ने सभी लाभार्थियों को बधाई दी और सभी को उत्साह वर्धन किया।

18 हजार गांवों तक पहुंचाई बिजली

सीएम साय ने कहा कि आजादी के 70 वर्षों बाद भी देश के 18 हजार गांवों में बिजली नहीं पहुंची थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प लिया और इन गावों तक बिजली पहुंचाने का काम किया। छत्तीसगढ़ में बिजली का उत्पादन बढ़ा है और 30 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। इसके कारण हम दूसरे राज्यों को भी बिजली बेच रहे हैं।

सौर ऊर्जा के महत्व को आमजन में बढ़ावा देने का प्रयास

इस अभियान के माध्यम से सौर ऊर्जा के महत्व को आमजन में बढ़ावा देने तथा स्थायी ऊर्जा विकल्पों को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में ऊर्जा सचिव डॉ. रोहित यादव ने प्रधान मंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लाभ से उपस्थित लोगों को बताया। कार्यक्रम के दौरान पीएम सूर्यघर योजना के लाभार्थियों का फीड बैक लिया गया है। साथ ही उन वेंडरों को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने सौर उर्जा को लोगों तक पहुंचाने का काम किया। इस दौरान राजनांदगांव एक 18 साल के वेंडर ने भी इस योजना के लाभ व सरकार के प्रयास को सार्थक किया।

आने समय में पूरे देश में छत्तीसगढ़ बिजली उत्पादन में अग्रणी होगा। अंत में सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लाभार्थी अपने आसपास के लोगों को भी इस योजना के लाभ बताएं ताकि वे भी इसका लाभ उठा सके।

बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं : कोंडागांव जिले में 12 घंटे के भीतर दूसरी बड़ी घटना, ट्रक-टिप्पर की टक्कर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। नेशनल हाइवे 30 पर सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। बीती रात ही एक तेज रफ्तार कार चालक ने बाइक सवार को अपने चपेट में ले लिया। जिसमें दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई थी। जिसके 12 घंटे के भीतर ही दूसरी बड़ी घटना दहिकोंगा के पास हुई। जहां एक तेज रफ्तार ट्रक चालक और टिप्पर में भिड़त हो गई।

इस घटना में चालक घायल हो गए, जिन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। बता दें कि कोण्डागांव जिले के दहीकोंगा नेशनल हाईवे-30 पर सोमवार की सुबह 6:30 बजे एक अनियंत्रित ट्रेलर ने सामने से आ रही हाईवा को टक्कर मार दी। जिससे हाईवा मौके पर ही पलट गई।

घटना के दौरान पीछे चल रही 108 एंबुलेंस भी ट्रेलर की चपेट में आ गई। इस घटना में एंबुलेंस का स्टाफ सुरक्षित रहा, उन्हें किसी भी तरह से कोई चोट नहीं आई। इस घटना में ट्रेलर का चालक हादसे में बुरी तरह फंस गया था। जिसे लोगों और पुलिस की मदद से चालक को बाहर निकाला गया। गंभीर रूप से घायल चालक को तत्काल जिला अस्पताल कोण्डागांव में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

एशिया कप 2025 मलेशिया में, महासमुंद की बेटी दिव्या रंगारी होगी शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। FIBA अंडर 16 वूमेंस एशिया कप 2025 का आयोजन मलेशिया में 13 से 19 सितम्बर 2025 तक आयोजित किया जाना है। जिसके लिए बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफइंडिया द्वारा राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 10 अगस्त से 12 सितंबर 2025 तक नेशनल स्पोर्ट्स सेंटर चेन्नई में आयोजित है, जिसमें भारतीय अंडर 16 महिला राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम में छत्तीसगढ़ से महासमुंद जिले की दिव्या रंगारी पिता विनोद रंगारी का चयन हुआ है। भारतीय टीम का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर पश्चात् भारतीय टीम FIBA अंडर 16 वूमेंस एशिया कप 2025 सेरेम्बन मलेशिया में 13 से 19 सितम्बर तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें भारतीय टीम साऊथ एशियन जोन की टीम से शामिल होगी। जिसके लिए 12 सदस्यीय

भारतीय टीम की घोषणा की गई है। जिसमें छत्तीसगढ़ से महासमुन्द जिले की दिव्या रंगारी का चयन हुआ है। दिव्या के चयन होने से प्रदेश एवं जिले में खुशी की लहर देखी जा रहीं है।

इससे पहले अंडर 16 एशिया कप SABA क्वालिफायर बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 12 से 15 जून 2025 तक मालदीप में आयोजित किया गया था। जिसमें भारतीय टीम ने बेहतर प्रदर्शन करने के साथ चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता एवं एशिया कप 2025 मलेशिया के लिए क्वालीफाई किया। भारतीय टीम में महासमुंद छत्तीसगढ़ से दिव्या रंगारी ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया।

दिव्या रंगारी मिनी स्टेडियम महासमुंद में नियमित अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शामिल होने के साथ ही इंडिया टीम में जगह बनाने में सफल रहीं हैं। महासमुंद जिले में बास्केटबॉल खेल का अभ्यास प्रतिदिन स्थानीय मिनी स्टेडियम महासमुंद में किया जाता है। जिसमें आसपास क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों एवं शहरी क्षेत्र के बच्चे शामिल होते हैं। जिले के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भागीदारी करने के साथ ही पदक जीतने में सफल रहे हैं।

अंधे कत्ल का खुलासा : नाबालिग से अनैचुरल सैक्स के बाद बदमाशों ने घोंट दिया था गला, गणेश देखने निकला था बच्चा

लापता नाबालिग की दो दिन पहले मिली थी लाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्र में 6 सितंबर को मिले नाबालिग के शव के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। पीएम रिपोर्ट में अननैचुरल सेक्स व गला घोंटे जाने की पुष्टि के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। इस मामले में पुलिस ने एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने अननैचुरल सैक्स के बाद नाबालिग द्वारा सभी को बता देने की धमकी देने पर उसकी हत्या कर शव को झाड़ियों में नाले के पास फेंक दिया था।

दरअसल 14 साल के नाबालिग के पिता ने 26 अगस्त को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। प्रार्थी ने बताया कि उसका बेटो गणेश दर्शन के लिए निकला और उसके बाद वापस नहीं लौटा। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर नाबालिग की तलाश शुरू की। जांच क दौरान 6 सितंबर को नाबालिग की लाश ग्राम कोटा स्थित बड़े तालाब के पास झाड़ियों के बीच कीचड़ में लिपटी मिली। आसपास के लोगों को बदबू आने से उन्होंने पुलिस को सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पीएम रिपोर्ट में नाबालिग की मौत दम घुटने से होना बताया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि मरने से नाबालिग के साथ आप्राकृतिक संबंध बनाए गए। इसके बाद पुलिस ने जांच और तेज कर दी।

आरोपियों की पतासाजी के दौरान पता चला कि नाबालिग को आखिरी बार विजय धीरज के साथ गणेश दर्शन क लिए जाते हुए देखा गया था। पुलिस ने विजय धीरज (24) को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की। पुलिस की पूछताछ में उसने नाबालिग के साथ के अप्राकृतिक कृत्य करने की बात स्वीकार की। उसने बताया कि नाबालिग यह बात सबको बता देने की धमकी दे रहा था इसके डर से अपने दोस्तों के साथ मिलकर नाबालिग की हत्या कर दी। हत्या में शामिल दूसरा आरोपी कुलदीप बंजारे (22) तिल्दा का रहने वाला है और एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस ने रविवार को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर बालिग आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। नाबालिग को बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया है।

भीख मांगने का इकोसिस्टम

श्रीकंचनपथ

हर धंधे का अपना-अपना इकोसिस्टम होता है। कालों के देश में गोरापन का क्रीम बिकता है। गोरे कच्छा पहनकर धूप सेंकते हैं। एसी, फ्रिज, कार सबका अपना-अपना इकोसिस्टम है। भीख मांगना भी एक पेशा है। इससे घर चलते हैं। दुनिया भर के भिखारी अपने-अपने इकोसिस्टम को समझते हैं और उसके अनुरूप ही काम करते हैं। अमेरिका जैसे विकसित देशों में लोग गाना सुनाकर पैसे मांगते हैं। स्थान, काल और पात्र के हिसाब से भिखारियों की जरूरतें भी अलग-अलग होती हैं। पाकिस्तान को दुनिया भर में भिखारियों का देश कहा जाता है। भारत में भी भीख मांगना भी एक पेशा है। बिहार, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, केरल, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और पंजाब, केंद्र शासित प्रदेश, दिल्ली और दमन और दीव सहित 20 राज्यों में भिक्षावृत्ति गैर कानूनी है। पर इससे भीख मांगना बंद नहीं हो गया है। शराब बंदी की तरह भिक्षावृत्ति निरोध भी एक छलावा ही है। यहां भीख मांगने की तरीके भी निराले हैं। भिखारी तीन प्रकार के होते हैं। एक जो चुपचाप हाथ फैलाए या कटोरा लिये मंदिर या सड़क किनारे बैठा होता है वहीं दूसरा हाथ में देवी-देवता की तस्वीर लिये धमकाता हुआ भीख मांगता है। तीसरा भिखारी सम्पन्न परिवार से होता है। वह मौके की जमीन पर कब्जा करता है और फिर मंदिर बनाने के लिए दान दक्षिणा मांगता है। यही उसकी आजीविका का साधन भी बन जाता है। सरकार को इन भिखारियों से कोई दिक्कत भी नहीं है। उसे पता है कि भीख दिये बिना मिडिल क्लास की आत्मा तृप्त नहीं होती। भक्तों के लिए भीख देना भी पूजा-पाठ और धर्म-कर्म का ही हिस्सा है। कुछ भिखारी लोगों को इमोशनली ब्लैकमेल करते हैं। इनकी गोद में कुपोषित निष्प्राण से बच्चे होते हैं। लोग इनपर तरस खाकर भीख दे देते हैं। बस यहीं से भीख का खेल गंदा हो जाता है। अकसर ये बच्चे अपने नहीं होते। इन्हें या तो चुराया गया होता है या फिर किराये पर मांग के लाया जाता है। पंजाब सरकार की निगाह इन्हीं बच्चों पर है। राज्य की सामाजिक सुरक्षा मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा है कि अगर कोई माता-पिता अपने बच्चों से जबरन भीख मंगवाते हैं, तो उन्हें अनफिट गार्जियन घोषित कर दिया जाएगा। उनके बच्चों को गोद दे दिया जायेगा। गिरोहबाजों को 5 साल से लेकर उम्र कैद तक की सजा हो सकती है। पिछले नौ महीनों में 753 रेड मारकर 367 बच्चों को रेस्क्यू किया गया। 350 बच्चों को उनके परिवारों को लौटाया गया। इनमें से 150 बच्चे दूसरे राज्यों से थे। 17 बच्चों की पहचान नहीं हो पाई जिन्हें बाल गृह में रखा गया। 183 बच्चों को स्कूलों से जोड़ा गया। 6 साल से कम उम्र के 13 बच्चों को आंगनवाड़ी सेंटर में भेजा गया। 30 बच्चों को स्पांसरशिप के जरिए हर महीने 4000 रुपए और 16 बच्चों को हर माह 1500 रुपए दिये जा रहे हैं। वहीं 57 बच्चे स्कूलों से गायब मिले हैं।

संपादकीय

राहतकारी जीएसटी, सावधानीपूर्वक क्रियान्वयन से मिलेगी राहत

जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद घोषित जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू करने करने की घोषणा की गई है। जिसमें अब 12 व 28 फीसदी के दो स्लैब को खत्म करके सिर्फ 5 व 18 फीसदी कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि यह सरकार की ओर से आर्थिक सुधारों की कड़ी में एक नई पहल है, जिससे जीएसटी को तार्किक बनाने व आम जनता को महंगाई से राहत देने का प्रयास है। वहीं दूसरी ओर विलासिता आदि वस्तुओं के लिये चालीस फीसदी का एक नया स्लैब जोड़ा गया है।

विपक्ष इसे देर से उठाया गया कदम बता रहा है, तो सरकार आर्थिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम। वहीं कुछ अर्थशास्त्री इस कदम को ट्रंप के टैरिफ वॉर के परिप्रेक्ष्य में उठाया गया सुरक्षात्मक कदम मानते हैं। जिससे घरेलू खपत को बढ़ाकर निर्यात घाटे को कम किया जा सके। वहीं कुछ लोग इसे नवरात्र में दिवाली से पहले सरकार का तोहफा बता रहे हैं। माना जा रहा है कि सरकार की सोच है कि आर्थिक सुधारों के जरिये घरेलू उपभोग व निवेश को बढ़ाया जाए। निस्संदेह, इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा।

> यही वजह है कि कुछ अर्थशास्त्री जीएसटी दरों को घटाने को साहसी व दूरदर्शी कदम बताते हैं, जो उपभोक्ता के उपभोग को बढ़ाएगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने एक जुलाई 2017 को पूरे देश में जीएसटी लागू किया था। उसके बाद समय-समय पर विभिन्न उत्पादों की दरों में परिवर्तन किए जाते रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद विपक्षी दलों द्वारा शासित सरकारें कई उत्पादों पर जीएसटी दरें तार्किक बनाने की मांग करती रही हैं। जिसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी दर घटाने की मांग की थी। इतना ही नहीं, कुछ उद्योगों, विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों व जन-स्वास्थ्य से जुड़ी वस्तुओं के उत्पादकों द्वारा जीएसटी कम करने की मांग की जाती रही है। इसी तरह किसान संगठन भी कृषि उत्पादों पर कर कम करने की मांग करते रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर जीएसटी दरों में बदलाव की टाइमिंग को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। उनका मानना है कि इसकी पृष्ठभूमि में ट्रंप के टैरिफों को कम करने की कवायद भी है ताकि घरेलू उपभोग बढ़ाया जा सके और सस्ते निर्यात को बढ़ावा मिल सके। कालांतर इससे देश की अर्थव्यवस्था को गति मिल सकेगी। इसका संकेत प्रधानमंत्री ने पंद्रह अगस्त को लाल किले से संबोधन में भी दिया था।

वहीं आगामी वर्ष मार्च में राज्यों को राहत देने वाले कम्पंसेशन सेस की समाप्ति से पहले राज्यों को राहत देने के लिये भी यह कदम उठाया गया हो सकता है। निस्संदेह, इस कदम से सरकारी खजाने में जीएसटी कम आएगा, लेकिन आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि विलासिता की वस्तुओं पर चालीस फीसदी का जीएसटी सरकार के घाटे की पूर्ति में किसी हद तक मदद करेगा। फिर भी कहा जा रहा है कि सरकार को अड़तालीस हजार करोड़ का नुकसान हो सकता है, लेकिन चीजें सस्ती होने पर उपभोग वृद्धि से सरकार को राहत मिल सकती है।

वहीं कहा जा रहा है कि असंगठित क्षेत्र को जीएसटी कटौती दर का लाभ नहीं मिलेगा। अर्थशास्त्री लंबे समय से मांग करते रहे हैं कि देश में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले असंगठित क्षेत्र को आर्थिक सुधारों का लाभ दिया जाना चाहिए। बहरहाल, इतना तय है कि जीएसटी दरों में कमी से उपभोक्ता मांग में वृद्धि होगी तो अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। आम आदमी कम पैसे में ज्यादा सामान खरीद पाएगा। वैसे यहां यह बात महत्वपूर्ण है कि इस बदलाव से वास्तव में आम उपभोक्ता को कितना फायदा होता है।

यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उद्योग कर कटौती का लाभ उपभोक्ता तक कैसे पहुंचाते हैं। साथ ही नियामक कितनी सतर्कता से अनुपालन सुनिश्चित करते हैं। निस्संदेह यह सही दिशा में उठाया गया एक कदम है। लेकिन यह कितना लाभ आम आदमी को पहुंचाएगा, इस बात पर निर्भर करेगा कि सुधार को कितनी निरंतरता और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाता है।

सु-विचार

समय और समझ

दोनों एक साथ बस किस्मत वालों को ही मिलते है, क्योंकि अक्सर समय पर समझ नहीं आती और समझ आने पर समय निकल जाता है।

आत्मघाती नींद से जगाने हेतु मानसूनी चेतावनी

दिनेश सी शर्मा

नि:संदेह, आपदा लाने वाले पैटर्न जलवायु परिवर्तन से जुड़े हैं जिसमें मानवीय गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं। गलत नीतियों के चलते कंक्रीटीकरण, नदियों की राह पर अतिक्रमण व वन कटान जारी है। जिससे बाढ़, जनहानि व बुनियादी ढांचे को क्षति बढ़ रही है। इस विनाश पर अंकुश लगाने को नीतियों में जलवायु परिवर्तन चिंताओं को जगह, इंफ्रास्ट्रक्चर के जलवायु ऑडिट व पर्यावरणीय प्रभाव आकलन व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून ने देश के कई हिस्सों में तबाही मचा रखी है। अब तक मानसूनी बारिश सामान्य से अधिक रही है और चरम मौसम संबंधी अनेक घटनाएं देखने को मिली हैं। पहले पहाड़ी सूबे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश व जम्मू और कश्मीर सबसे ज़्यादा प्रभावित हुए तो अब पंजाब में भी भारी बाढ़ की स्थिति बिगड़ती जा रही है, साथ ही राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ इलाके भी प्रभावित हैं। दक्षिणी राज्यों के कई शहरी और ग्रामीण इलाकों में भी भारी बारिश दर्ज की गई। बादल फटने, बाढ़, भूमि धंसने और भूस्खलन से जान-माल का काफी नुकसान हुआ है। इसी तरह, निजी संपत्ति और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को भी भारी क्षति हुई। भारी बारिश के कारण पुल ढह गए हैं, कुछ बांध टूट गए, वहीं नए बने कुछ राष्ट्रीय राजमार्ग भी बह गए और जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचने की सूचनाएं हैं। महत्वपूर्ण परिवहन संपर्क बाधित हुए हैं और फसलों की भारी तबाही की आशंका है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की भविष्यवाणी है कि यह सिलसिला अभी जारी रहेगा। सितंबर माह में भी देशभर में मासिक औसत वर्षा सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। जिससे बाढ़, भूस्खलन, सड़क परिवहन में व्यवधान, जन स्वास्थ्य चुनौतियां और पारिस्थितिक क्षति जैसी मुश्किलें पैदा होने जा रही हैं। यह वैज्ञानिक रूप से स्थापित है कि वैश्विक मौसम बदलाव से भारतीय मानसून प्रभावित हुआ है। अध्ययन बताते हैं कि 1950 के दशक के बाद से अधिकांश थलीय क्षेत्रों में भारी वर्षा की घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हुई है, और इसकी एक बड़ी वजह मानव-जनित जलवायु बदलाव भी है। अंतर्राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन पैनल (आईपीसीसी) द्वारा जारी आवधिक आकलन में इन निष्कर्षों का संश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

मौसम विज्ञान विशेषज्ञ मानसून की बढ़ी तीव्रता के पीछे हिंद महासागर के ऊपर वायुमंडलीय नमी के अधिक जमाव को कारक मान रहे हैं, जो आगे, समुद्र सतह के तापमान में बढ़ोतरी के कारण बने अधिक वाष्पीकरण और साथ ही भूमि-समुद्र तापीय विषमता में इजाफे की वजह से यह जमाव ओर सघन हो रहा है। जैसे-जैसे मानसून विशालकाय वर्षा बादल समुद्र से लेकर, दक्षिण-पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ता जाता है वायुमंडलीय नमी का बढ़ा स्तर और ज्यादा नमी वाला आवरण पैदा करता जाता है, जिससे वृष्टि स्तर में और वृद्धि होती है। तो, क्या जो कुछ भी हो रहा है उसके लिए हम आसान दोष जलवायु परिवर्तन पर मढ़ते जाएं और पर्यावरण, शहरी नियोजन, विकास, जल संसाधन, कृषि आदि से संबंधित अपनी सार्वजनिक नीतियों को 'पहले की भांति जारी' रखें? बिलकुल नहीं।

पहला, जलवायु परिवर्तन अपने आप में - जैसा कि आईपीसीसी द्वारा परिभाषित किया गया है - मानवीय गतिविधियों से पैदा घटना है। मसलन, मानसून के प्रमुख संचालक अवयवों में से एक - गर्मियों में भूमि और समुद्र के बीच तापमान में अंतर- में बदलाव हो रहा है, जो मानवीय गतिविधियों से पैदा अत्यधिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण है।

जहां जलवायु परिवर्तन के कारण चरम मौसमीय घटनाएं (मानसून में मूसलाधार बारिश और गर्मियों में प्रचंड गर्मी) बढ़ रही हैं वहीं गलत सार्वजनिक नीतियों मसलन, कंक्रीटीकरण, नदियों की राह पर अतिक्रमण, पहाड़ियों का विनाश, वन कटाई आदि के कारण उनके प्रभाव के रूप का बाढ़, जनहानि, बुनियादी ढांचे को क्षति आदि बढ़ रहे हैं। इसका समाधान जलवायु परिवर्तन और दोषपूर्ण विकास नीतियों पर एक साथ काम करने में है। सबसे पहले, हमें सार्वजनिक नीतियों को जलवायु परिवर्तन के अनुरूप ढालना होगा। दशकों से हम यह कहते रहे हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर इस पर कार्रवाई होती बहुत कम दिखाई देती है। राष्ट्रीय और राज्यों की जलवायु परिवर्तन कार्य योजनाओं की प्रगति, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने तक ही सीमित होकर रह जाती है।

दरअसल, सभी सार्वजनिक नीतियों में जलवायु परिवर्तन संबंधी चिंताओं को मुख्यधारा बनाए जाने की। मसलन, पहाड़ों में नए जलविद्युत संयंत्र, राजमार्ग या सुरंग परियोजना का प्रस्ताव मंजूर करते वक्त अथवा निर्माण करते समय, हमें न केवल तात्कालिक पर्यावरणीय चिंताओं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न वर्तमान एवं भविष्य के जोखिमों का भी ध्यान रखना चाहिए। यही बात मैदानी इलाकों में विकास परियोजनाओं पर भी लागू होती है, जहां बिना सोचे-समझे कंक्रीटीकरण, झीलों और जलाशयों के विनाश के कारण शहरी बाढ़ एक नियमित घटना बन गई है।

दूसरा, हम पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) व्यवस्था की गहन समीक्षा करें। वर्षों से इसके अनिवार्य प्रावधानों को दरकिनार करने या इसे पूरी तरह से समाप्त करने के चतुर तरीके ईजाद किए गए हैं। इसका ज्वलंत उदाहरण चार धाम राजमार्ग परियोजना है। संबंधित सरकारी एजेंसियों ने बृहद ईआईए नियमों पर अमल से बचने को 825 किमी लंबी परियोजना को 53 छोटे भागों में विभाजित कर दिया, जिससे प्रत्येक मार्ग की लंबाई 100 किलोमीटर से कम रह गई। इस तरह, वे पर्यावरणीय सुरक्षा प्रावधानों का पालन करने से बच निकले, क्योंकि ईआईए 100 किमी से अधिक लंबी सड़क परियोजनाओं हेतु अनिवार्य है।

एक बड़ी परियोजना के इस तरह टुकड़े कर,पर्यावरणीय नियमों को दरकिनार करने को पर्यावरणविदों ने उजागर किया और सुप्रीमकोर्ट द्वारा नियुक्त समिति के समक्ष उठाया था। कुछ मामलों में, ईआईए मंजूरी के बिना शुरू की गई परियोजनाओं को नियमित करने के लिए पर्यावरणीय मंजूरी पिछली तारीखों से प्रभावी दिखाकर प्रदान कर दी गई। सुप्रीमकोर्ट ने मई माह में इस प्रथा को अवैध करार देकर खत्म कर दिया।

विशालकाय विकास परियोजनाओं में निहित पारिस्थितिक जोखिमों की जानबूझकर अनदेखी और ईआईए शर्तों के उल्लंघन के विनाशकारी परिणाम, विशेष रूप से हिमालय में, अब साफ दिखाई देने लगे हैं। इसलिए, हमें न केवल ईआईए व्यवस्था पर पुनर्विचार करने और इसे अधिक कठोर बनाने की आवश्यकता है, बल्कि इसमें उन जलवायु परिवर्तन जोखिमों को भी शामिल करना होगा जो किसी परियोजना के जीवनचक्र के दौरान पैदा हो सकते हैं। साथ ही उन्हें कम से कम करने के तरीके भी। परियोजनाओं को इस तरह डिजाइन किया जाना चाहिए कि भविष्य की जलवायु परिस्थितियों का बेहतर ढंग से सामना कर पाएं जिससे संभावित हानि व व्यवधान न्यूनतम हो सके। अनुपालन की निगरानी हेतु एक स्वतंत्र व्यवस्था विकसित की जाए।

तीसरा, हमें सभी मौजूदा बुनियादी ढांचों— जलविद्युत परियोजनाएं, राष्ट्रीय राजमार्ग, सड़क एवं रेल पुल, हवाई अड्डों - का 'जलवायु ऑडिट' करने की जरूरत है - वित्तीय दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि यह जांच करने के लिए कि क्या वे जलवायु-परिवर्तन अनुरूप हैं। ईआईए प्रणाली के लागू होने से पहले बने बुनियादी ढांचे के लिए यह और भी जरूरी है। जिन परियोजनाओं को पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिल चुकी है, उनका ऑडिट उनकी मंजूरी के समय निर्धारित शर्तों के अनुपालन को लेकर हो। ऑडिट उपरांत, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को जलवायु-परिवर्तन-रोधी बनाने को आवश्यक उपाय शुरू किए जाएं। बतौर पहला कदम, पर्यावरण मंत्रालय को एक मजबूत जलवायु ऑडिट तंत्र और यथेष्ट मानक, प्रोटोकॉल और उपकरण विकसित करने चाहिए ताकि यह आकलन किया जा सके कि क्या मौजूदा बुनियादी ढांचा बदलती जलवायु का सामना कर सकता है या नहीं। तत्पश्चात, एक ठोस और समन्वित, बहु-क्षेत्रीय राष्ट्रीय प्रयास शुरू किया जाए।

डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें

डॉ. सत्यवान सौरभ

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में एक ऐसा आदेश दिया है, जो न केवल हरियाणा-पंजाब बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहरी छाप छोड़ेगा। अदालत ने स्पष्ट कहा कि डॉक्टरों को अब मरीजों की पर्ची साफ लिखनी होगी। बेहतर होगा कि डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें या फिर टाइप/डिजिटल रूप में पर्ची दें। यह फैसला सिर्फ लिखावट की औपचारिकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे मरीज की सुरक्षा और जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा हुआ है।

भारत में अक्सर यह शिकायत सुनने को मिलती रही है कि डॉक्टरों की लिखावट इतनी उलझी होती है कि फार्मासिस्ट या मरीज को समझ ही नहीं आता कि कौन-सी दवा, कितनी मात्रा में और कितने समय तक लेनी है। ऐसे में गलत दवा या गलत खुराक से मरीज की हालत बिगड़ जाना आम बात है। कई बार तो यह लापरवाही मौत तक का कारण बन चुकी है। यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं है। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों में भी प्रिस्क्रिप्शन का यह संकट मौजूद है। लिहाजा हाईकोर्ट का हस्तक्षेप एक जीवन रक्षक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। यह विषय केवल चिकित्सकीय नहीं बल्कि सामाजिक भी है।

ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में अक्सर मरीज कम पढ़े-लिखे होते हैं। जब वे डॉक्टर की पर्ची लेकर दवा की दुकान पर पहुंचते हैं तो उनकी समझ से बाहर होता है कि कौन-सी दवा कितनी बार लेनी है। कई बार दवा विक्रेता भी लिखावट को गलत समझ लेता है। इससे मरीज गलत समय पर दवा खा लेता है, डोज बिगड़ जाती है और बीमारी बढ़ जाती है। यह समस्या गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्ग मरीजों में और भी गंभीर हो जाती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अदालत ने सही कहा कि मरीज को अपनी बीमारी और इलाज की जानकारी मिलना उसका मौलिक अधिकार है।

यदि प्रिस्क्रिप्शन ही अस्पष्ट और अधूरी जानकारी वाला हो तो यह अधिकार स्वत: ही बाधित होता है। इस संदर्भ में यह आदेश केवल चिकित्सा पद्धति के तकनीकी सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जब तक देशभर में ई-प्रिस्क्रिप्शन (कंप्यूटर से बनी पर्ची) की व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं हो जाती, तब तक सभी डॉक्टर कैपिटल लेटर्स में लिखें। यह सुझाव व्यावहारिक भी है और भविष्य की दिशा भी तय करता है। डिजिटल हेल्थ रिकार्ड और ई-प्रिस्क्रिप्शन के कई लाभ हैं मरीज का पूरा मेडिकल इतिहास सुरक्षित रहता है, फार्मासिस्ट को गलतफहमी की गुंजाइश नहीं रहती, दवा कंपनियों और हेल्थ इंश्योरेंस तक पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और मरीज चाहे गांव का हो या महानगर का, उसे स्पष्ट जानकारी मिलती है।

हाईकोर्ट ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को भी निर्देश दिया है कि मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को साफ-सुथरी लिखावट और स्पष्ट प्रिस्क्रिप्शन की ट्रेनिंग दी जाए। यदि मेडिकल शिक्षा के शुरुआती दौर से ही छात्रों को साफ लिखने और स्पष्ट पर्चा देने की आदत डाल दी जाए, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या स्वत: ही खत्म हो सकती है। यह सुधार मेडिकल एथिक्स का हिस्सा बनना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी नीति बनाने का निर्देश दिया है। इस नीति के तहत छोटे क्लिनिक और ग्रामीण डॉक्टरों को कंप्यूटर आधारित प्रिस्क्रिप्शन सिस्टम के लिए आर्थिक सहायता दी जा सकती है। जिला स्तर पर सिविल सर्जन की निगरानी में जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाए और स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करे कि डॉक्टर पर्चे पढ़ने योग्य लिख रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव बताते हैं कि प्रिस्क्रिप्शन की स्पष्टता स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी सुधार लाती है। पश्चिमी देशों में डॉक्टरों द्वारा हाथ से लिखे पर्चे अब लगभग अतीत की बात हो चुके हैं। अमेरिका, यूरोप और जापान में ज्यादातर अस्पतालों और क्लिनिकों में ई-प्रिस्क्रिप्शन ही मानक बन चुका है। भारत में भी 'डिजिटल इंडिया मिशन' और 'आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन' के तहत इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाईकोर्ट का आदेश इन पहल को और गति देगा। हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली और इंटरनेट की कमी से डिजिटल व्यवस्था लागू करना कठिन होगा। छोटे क्लिनिकों के लिए कंप्यूटर, प्रिंटर और सॉफ्टवेयर की लागत बड़ी बाधा है। डॉक्टरों पर पहले से ही प्रशासनिक बोझ है, ऐसे में अतिरिक्त प्रशिक्षण और औपचारिकताएं असुविधा पैदा कर सकती हैं। यह भी सही है कि मरीजों की भाषा और समझ अलग-अलग होती है। अत: केवल अंग्रेजी या कैपिटल लेटर्स काफी नहीं होंगे, बल्कि स्थानीय भाषा में भी स्पष्टता जरूरी है। डॉक्टरों की लिखावट अब केवल मजाक या व्यंग्य का विषय नहीं रह गई, बल्कि यह सीधे-सीधे जीवन और मृत्यु का प्रश्न है।

अवैध प्रवासियों की घुसपैठ

सुप्रीम कोर्ट ने अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने को लेकर सरकार द्वारा अपनाई गई मानव संचालन प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी मांगी। केंद्र से पूछा क्या वह अवैध प्रवासियों की घुसपैठ रोकने के लिए सीमा पर दीवार बनाना चाहता है।

पीठ ने बंगाली व पंजाबीभाषी भारतीयों की पड़ोसी मुल्कों के साथ साझा सांस्कृतिक व भाषाई विरासत की भी चर्चा की। पीठ ने स्वीकारा कि पीड़ित संसाधनों की कमी के अभाव में शीर्ष अदालत पहुंचने में असमर्थ हैं।

सरकार की तरफ से दी गई दलील में एजेंटों के अवैध प्रवेश करवाने की बात की गई और कहा गया कि वे हमारे संसाधनों को नष्ट न करें। इस पर अदालत ने कहा यह राष्ट्रीय सुरक्षा, अखंडता व संसाधनों का सवाल है पर बंगाल व पंजाब की साझी विरासत पर केंद्र अपनी स्थिति स्पष्ट करे।

बीते दिनों प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाए कि केंद्र द्वारा बंगाली भाषाइयों को निशाना बनाया जा रहा है। बहस के दरम्यान केंद्र की तरफ से रोहिंग्याओं का जिक्र भी हुआ जिनके साथ आतंकवादियों के घुसपैठ का भी संदेह जताया गया।अवैध प्रवासियों के चोरी-छिपे पड़ोसी मुल्कों में प्रवेश को लेकर दुनिया भर की सरकारें त्रस्त हैं। देश भर के सत्रह राज्यों में घुसपैठियों के रहने की बात सरकार द्वारा स्वीकारी जाती है। पंजाबी या बंगाली बोलने वालों को भारतीयों के साथ घुलने-मिलने में दिक्कत भी नहीं आती। जाहिर है, इनमें से कुछ रोजगार व सुरक्षा की तलाश में घुसते हैं। मगर अराजकता फैलाने व आतंकी गतिविधियों में शामिल होने की मंशा से गलत तरीकों से सीमा पार करने वालों की भी कमी नहीं है।

बार-बार दोहराया जाता है कि अकेले दो करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठियों के देश में रहने की चर्चा होती रहती है जिनमें से तकरीबन आधे पश्चिम बंगाल में ही लुक-छिप कर रह रहे हैं। हालांकि इस दावे की पुष्टि नहीं की जा सकती। केंद्र द्वारा बनाए गए नागरिकता संशोधन अधिनियम पर विरोध के साथ ही राजनीतिक दल अपने वोट बैंक के हवाले से बयानबाजियां करते रहे हैं।

बेशक, धरपकड़ अभियानों द्वारा मुट्ठी भर घुसपैठिये ही पकड़ में आते हैं। इन्हें रोकने के लिए न तो दीवारें उठाई जा सकती हैं, न ही अभी अवैध घुसपैठियों को एक ही लाठी से हांका जा सकता है, जो कंटीली बाड़ों और मुस्तैद सुरक्षा-व्यवस्था के बावजूद घुसपैठ करते हैं, वे दीवारें लांघने में क्यों घबराएंगे।

बौद्धिक पूंजी की समृद्धि के लिए प्रेरक योगदान

डॉ. हरीसिंह गौर विवि, सहायक प्राध्यापक

शिक्षक का कार्य मेंटोरिंग, शोध का मार्गदर्शन, आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहन, और समाज की प्रगति में योगदान देने वाले मूल्यों को स्थापित करना भी है। यदि उन्हें उचित वेतन और सम्मान नहीं मिलता, तो यह न केवल उनकी व्यक्तिगत गरिमा को ठेस पहुंचाता है, बल्कि यह राष्ट्र की बौद्धिक पूंजी को भी कमजोर करता है।

भारत की विद्यालय शिक्षा प्रणाली दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा प्रणालियों में से एक है। जहां 15 लाख विद्यालयों में विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमियों से आने वाले 25 करोड़ बच्चों को 95 लाख शिक्षक पढ़ाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की मानव विकास सूचकांक रिपोर्ट (2023-24) के अनुसार, भारत में स्कूली शिक्षा का औसत वर्ष 6.6 वर्ष है। वहीं यह औसत विकसित देशों में लगभग 14 वर्ष है, वैश्विक स्तर पर यह 8.7 वर्ष है। इसका मतलब है कि एक औसत भारतीय अपने जीवन में औसतन केवल 6.6 वर्ष तक औपचारिक स्कूली शिक्षा प्राप्त करता है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि शिक्षा तक पहुंच और उसकी गुणवत्ता को और बेहतर करने की आवश्यकता है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सरकारी दस्तावेज बताते हैं कि वर्तमान में देशभर के स्कूलों में लगभग 11.6 लाख शिक्षकों के पद खाली हैं, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र विशेष रूप से प्रभावित हैं क्योंकि भर्ती और प्रतिधारण में कई संरचनात्मक कठिनाइयां हैं। भारत में अध्यापन व्यवसाय के समक्ष कई चुनौतियां हैं, जिनमें योग्य एवं प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी, शिक्षा संस्थानों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव, तकनीकी एवं नवाचारों के प्रति वैचारिक जकड़न, सुरक्षा और भविष्य को लेकर चिंताएं, कार्यभार के सापेक्ष कम वेतन, तनाव, बर्नआउट और निराशाजनक कार्य-संस्कृति शामिल हैं, जो सरकारी स्कूलों में अनुपस्थिति और प्रॉक्सी शिक्षण को बढ़ावा देते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत शिक्षकों को अक्सर अलगाव और संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ता है, जबकि निजी क्षेत्र में कार्यरत शिक्षकों को प्रतिस्पर्धी दबाव और असुरक्षित भविष्य के साथ अपर्याप्त वेतन पर कार्य करना पड़ता है। विभिन्न नियामक एवं विधायी निकायों के रहते हुए भी यह विषमतापूर्ण हालात स्कूली शिक्षा में ही नहीं, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में भी बने हुए हैं।

शिक्षकों की मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए देश के सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि यदि शिक्षकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जाता या उन्हें उचित वेतन नहीं दिया जाता, तो यह उस मूल्य को कम करता है जो एक देश ज्ञान को देता है, और उन लोगों की प्रेरणा को कमजोर करता है जो राष्ट्र के बौद्धिक पूंजी के निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं। शिक्षकों को भगवान के समान कहना ही काफी नहीं है, यह राष्ट्र के उनके प्रति व्यवहार में भी झलकना चाहिए।

ज्ञान-आधारित समाज से पारिभाषित देश में न्यायालय की यह टिप्पणी विचारणीय है कि समाज को शिक्षकों के प्रति अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। गुरु-गोविन्द से अलंकृत शिक्षकों को उचित वेतन, बेहतर कार्यस्थल, प्रशिक्षण के अवसर, और सामाजिक सम्मान प्रदान करना प्राथमिक कार्य होना चाहिए। शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि देश के भविष्य को आकार देते हैं। इसी कारण राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सफल क्रियान्वयन में शिक्षक की भूमिका को सर्वाधिक महत्वपूर्ण माना गया है।

गौरतलब है कि आठवें वेतन आयोग की दहलीज पर खड़े हुए शिक्षक को अकुशलकर्मी के लिए निर्धारित मानदेय के बराबर पारिश्रमिक दिया जा रहा है। निजी क्षेत्र में कार्यरत प्राथमिक शिक्षक का मासिक वेतन सरकारी शिक्षकों की तुलना में 36 प्रतिशत कम है। निजी स्कूलों में प्राथमिक शिक्षकों को औसतन 11,086 रुपये मिलते हैं। यही हाल माध्यमिक स्तरीय शिक्षकों का है, जहां उन्हें औसतन 13,412 रुपये मिलते हैं जो कि सरकारी शिक्षकों की तुलना में केवल 35 प्रतिशत है। उच्च शिक्षा संस्थानों में भी चिंताजनक स्थिति है। एक ओर शिक्षा मंत्रालय उच्च शिक्षा संस्थानों पर 25 प्रतिशत प्रवेश क्षमता बढ़ाने पर जोर दे रहा है, वहीं वित्त मंत्रालय नए शिक्षण पदों के सृजन पर प्रतिबंध की अपेक्षा रखता है। वित्तीय संकट से जूझ रहे तमाम सरकारी विश्वविद्यालय जहां अपनी आवश्यकता से कम पदों पर नए शिक्षकों की भर्ती कर रहे हैं, वहीं निजी संस्थान पूर्णकालिक शिक्षकों के बजाय अंशकालिक अध्यापकों को ही नौकरी दे रहे हैं, क्योंकि उन्हें अपेक्षाकृत कम वेतन देना होता है।

न्यायालय का यह कहना कि शिक्षकों की वेतन संरचना को उनके कार्यों के आधार पर तर्कसंगत करना चाहिए, एक महत्वपूर्ण संदेश है। इसका अर्थ है कि शिक्षकों को उनके कार्य की जटिलता, जिम्मेदारी, और समाज पर इसके प्रभाव के आधार पर उचित वेतन और सुविधाएं दी जानी चाहिए। शिक्षकों का कार्य केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं है। शिक्षक का कार्य मेंटोरिंग, शोध का मार्गदर्शन, आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहन, और समाज की प्रगति में योगदान देने वाले मूल्यों को स्थापित करना भी है। यदि उन्हें उचित वेतन और सम्मान नहीं मिलता, तो यह न केवल उनकी व्यक्तिगत गरिमा को ठेस पहुंचाता है, बल्कि यह राष्ट्र की बौद्धिक पूंजी को भी कमजोर करता है।

सरकार को शिक्षा क्षेत्र में निवेश बढ़ाना चाहिए, ताकि शिक्षकों को आधुनिक तकनीक और संसाधन उपलब्ध हों। साथ ही, समाज को भी शिक्षकों के प्रति अपनी मानसिकता बदलनी होगी, ताकि उन्हें वह सम्मान और सहयोग मिले, जिसके वे हकदार हैं।

ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-
GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड
CMA DATA | BALANCE SHEET
MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस
प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप्प पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

जीई फाउंडेशन की ओर से विशेष बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम 14 को

भिलाई। सामाजिक संस्था गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन की ओर से विशेष बच्चों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन 14 सितम्बर रविवार को किया जा रहा है। यह कार्यक्रम शाम 5:30 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक बी.एन.एस. ऑडिटोरियम, सेक्टर-8, भिलाई में संपन्न होगा। इस अवसर पर भिलाई सहित रायपुर, राजनांदगाँव और धमतरी के 15 विद्यालयों के विशेष बच्चे भाग लेने आ रहे हैं। वे अपनी कला, संगीत, नृत्य और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। जीई फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सकारात्मक जागरूकता फैलाना तथा इन बच्चों को आत्मविश्वास एवं प्रोत्साहन प्रदान करना है। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिकों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं अभिभावकों की उपस्थिति रहेगी। फाउंडेशन ने सभी नागरिकों से इस अवसर पर उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन करने का आग्रह किया है।

सम्मानित किए गए खेल और शिक्षा के क्षेत्र के प्रतिभावान

भिलाई। अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी की ओर से खेल और शिक्षा जगत की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। यह आयोजन ईद मिलादुन्नबी और शिक्षक दिवस के परिप्रेक्ष्य में सेक्टर-7 के स्ट्रीट-19 में आयोजित किया गया। सोसाइटी की डायरेक्टर अंजुम अली ने बताया कि इस दौरान सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। शुरुआत कुरआन शरीफ की तिलावत से हुई। वहीं बच्चों ने नात शरीफ भी पेश किए। मौलाना गुलाम मोहिउद्दीन नाजिम आला मदरसा सरकार आला हजरत फरीदनगर, हाफिज जाकिर रजा मदरसा ताजदारे अहले सुन्नत खुर्सीपार भिलाई, हाफिज व कारी इमरान रजा सदर मुदर्रिस मदरसा ताजदार अहले सुन्नत खुर्सीपार, मदरसा ताज उल उलूम रूआबांधा, मौलाना शमशेर अली, हाफिज नदीम रजा, हाफिज खलीलुल्लाह सेक्टर-6, हाफिज अनवर फरीदनगर, हाफिज जमाल मरोदा , हाफिज हसन मरोदा, हाफिज जीशान और हाफिज जुनैद ने पैगम्बर हजरत मुहम्मद की तालीम से जुड़ी बातें लोगों को बताईं। इस दौरान राज्य स्तरीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक खेलों में शहर का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों और कोच को सम्मानित किया गया। वहीं 8 वीं से 12 तक उत्कृष्ट शैक्षणिक परिणाम लाने वाले 50 से ज्यादा बच्चों की हौसला अफजाई की गई। आयोजन में नात शरीफ पड़ने वाले और मदरसे के बच्चों को भी सम्मानित किया गया। आयोजन में हाजी सैयद अनवर अली, मुजीब, समीर, फैजान, सैयद जमशेद अली, आरिफ खान, सगीर खान, हाफिज अनवर और शौकत इक़बाल ने विशिष्ट उपस्थिति दी। इस दौरान मौजूद आलिमों ने मुल्क में अमन व सलामती की दुआएं की।

यादव महिला छात्रावास के लिए 30 लाख व सामुदायिक भवनों के लिए 80 लाख रुपए की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने रविवार को रिसाली दशहरा मैदान, भिलाई में छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज द्वारा आयोजित विशाल अभिनंदन समारोह में शामिल होकर समाज के विकास हेतु कई घोषणाएं कीं। उन्होंने चार सामुदायिक भवनों के निर्माण के लिए प्रत्येक को 20-20 लाख रुपये, कुल 80 लाख रुपए तथा 5 लाख रुपए की स्वेच्छानुदान राशि देने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने दुर्ग स्थित पचरीपारा में आयोजित सम्मान समारोह में यादव महिला छात्रावास निर्माण हेतु 30 लाख रुपये देने की घोषणा की।

कार्यक्रम में समाजजनों ने पारंपरिक नृत्य-गान के साथ मंत्री श्री यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्हें समाज की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक स्वरूप पारंपरिक वेशभूषा और सजी हुई लाठी भेंट की गई। विभिन्न जिलों से आए यादव समाज के गणमान्य नागरिकों ने उन्हें माल्यार्पण कर अभिनंदन किया।

अपने उद्बोधन में मंत्री यादव ने कहा कि समाज का एक बड़ा वर्ग आज भी आर्थिक रूप से पिछड़ा है, जिसे मुख्यधारा में लाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेकर समाज के लोग आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं से जुड़ें और अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाकर समाज को नई दिशा प्रदान करें। मंत्री श्री यादव ने इस अवसर पर पाटन सरपंच की मांग पर शासकीय प्राथमिक शाला परेवाडीह के जीर्णोद्धार की भी घोषणा की, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, झेरिया यादव समाज प्रदेश अध्यक्ष जगनीक यादव, प्रदेश संरक्षक जगतराम यादव एवं सुकालु राम यदु, प्रदेश उपाध्यक्ष भगत सिंह यादव, रिसाली पूर्व मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र शेन्डे, प्रदेश सचिव सुंदर लाल यादव सहित समाज के जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

यादव समाज ने किया मंत्री गजेन्द्र यादव का सम्मान, स्कूल शिक्षामंत्री ने कहा-

सरकार की योजनाओं से जुड़ें और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएं

स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने किया विद्यालयों का निरीक्षण, कहा- विद्यालयों में आवश्यक निर्माण एवं संसाधन कराएंगे उपलब्ध

दुर्ग। प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने आज दुर्ग स्थित जेआरडी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चंद्रशेखर आजाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नयापारा तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघेरा का निरीक्षण किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान मंत्री यादव ने विद्यालयों के शिक्षकगण एवं विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर शैक्षणिक वातावरण को और सुदृढ़ बनाने तथा संसाधनों की उपलब्धता और भवन संधारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल और सशक्त हो सके। मंत्री यादव ने जनप्रतिनिधियों एवं संस्था प्रमुखों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जेआरडी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में ऑडिटोरियम, बालक-बालिका शौचालय तथा बॉक्सिंग रिंग के शेड की मरम्मत कराई जाएगी। इसी प्रकार चंद्रशेखर आजाद विद्यालय में तीन अतिरिक्त कक्ष एवं मंच पर शेड का निर्माण तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघेरा में प्राथमिक शाला भवन हेतु 6 अतिरिक्त कक्ष एवं बालक-बालिका शौचालय का निर्माण कराया जाएगा।

इस अवसर पर पार्षद गुलाब वर्मा, लीलाधर पाल, मनीष साहू, कुलेश्वर साहू, काशीराम कोसरे, कमल देवांगन, नरेन्द्र बंजारे, संजय अग्रवाल, ललित ढीमर, रामचन्द्र सेन, गोविंद देवांगन, मनीष कोठारी, सरस निर्मलकर, महेंद्र लोढ़ा, कमलेश फेकर, राजेश ओझा सहित विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

बिंदेश्वरी बघेल कॉलेज में उत्साहपूर्वक मनाया गया शिक्षक दिवस, शिक्षकों के योगदान को किया याद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कुम्हारी स्थिति बिंदेश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय में भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान दार्शनिक एवं आदर्श शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना से की गई और उसके बाद डॉ. राधाकृष्णन के तस्वीर के सामने नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की गयी।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी भावपूर्ण भाषण, कविताएं और गीत प्रस्तुत किए। जिनमें डॉ.राधाकृष्णन के व्यक्तित्व और शिक्षण-दर्शन का प्रभावशाली चित्रण हुआ। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. सोनिता सत्संगी ने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन शिक्षा, संस्कार और मानवता का अनुपम उदाहरण है। उनके जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने के पीछे यही कारण है कि उन्होंने शिक्षा को समाज और राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त साधन माना। जब उनसे उनके जन्म दिवस पर बधाई दी गई तो उन्होंने कहा कि यदि आप वास्तव में मेरा सम्मान करना चाहते हैं तो इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाएं। यही परंपरा आज तक जारी है।

उन्होंने आगे कहा कि डॉ. राधाकृष्णन ने देश और समाज को नई दिशा दी। उनके विचार आज भी हमें यह प्रेरणा देते हैं कि हम अपने जीवन में शिक्षा और संस्कारों को आत्मसात करें । शिक्षक दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि यह हर दिन की प्रेरणा है। प्राचार्य महोदया ने सभी विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे डॉ. राधाकृष्णन के आदर्शों को अपनाकर समाज और राष्ट्र की प्रगति में योगदान दें। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के सहयोग से हुआ तथा अंत में आभार प्रदर्शन के साथ समारोह का सफल समापन किया गया।

लायंस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी ने की शिक्षकों के कार्यों की सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । लायंस क्लब ऑफदुर्ग सिटी द्वारा पोटियाकला वार्ड 53-54 में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राथमिक शाला, पूर्व माध्यमिक शाला पोटियाकला, बीएड के विद्यार्थियों एवं अजीज पब्लिक स्कूल के शिक्षको का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में कुल 19 शिक्षकों का सम्मान कर क्लब द्वारा उनके कार्यों की सराहना की गई।

इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी अध्यक्ष आकांक्षा मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया और अतिथियों व शिक्षकों का स्वागत किया। कार्यक्रम में परंपरानुसार जोन चेयरपर्सन सुमन पांडे की आधिकारिक यात्रा भी संपन्न कराई गई।

जोन चेयरपर्सन सुमन पांडे का जीवन परिचय अनीता तिवारी ने पढ़ा। जोन चेयरपर्सन सुमन पांडे की मौजूदगी में एक जरूरतमंद को ट्राई साइकिल प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन एमजेएफ लायन रौनक जमाल ने किया। कार्यक्रम प्रभारी पीएमजेफ लायन ज्ञानचंद पाटनी थे। कार्यक्रम में लायंस क्लब दुर्ग सिटी के लायन पीएमजेएफ सतीश सुराना, लायन अमर सिंह गुप्ता, लायन सुरिंदर पाल ढुलाई, लायन रश्मि अग्रवाल, लायन बृजमोहन खंडेलवाल, लायन रूपिंदर कालकेट, लायन सुनील अग्रवाल, लायन अनिल अरोड़ा, पूर्व शाला विकास समिति पोटियाकला अध्यक्ष भोजराम यादव, राकेश साहू, चंद्रशेखर साहू, विशाल साहू, शाला समिति अध्यक्ष मनीष साहू मौजूद रहे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

श्रद्धांजलि

जन्म
12-03-1940
निधन
27-08-2025
स्व. किशोरी देवी पंडा
अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि
मेरी परम पूज्य माताजी श्रीमती किशोरी देवी पंडा का देवलोक गमन
27 अगस्त 2025 (भाद्रपक्ष शुक्ल चतुर्थी) को हो गया है। विधि के विधान के आगे
हम नतमस्तक है। दिवंगत आत्मा की शांति हेतु कार्यक्रम निम्नानुसार है...
गंगा भोज कार्यक्रम
दिनांक : 09 सितंबर 2025 दिन मंगलवार (अश्विन कृष्ण पक्ष द्वितीया संवत् 2082)
दोपहर 01 बजे से सांय 4 बजे तक
स्थान : श्री श्री जगन्नाथ मंदिर सेक्टर 6 भिलाई नगर जिला-दुर्ग छत्तीसगढ़
-: शोक संतप्त :-
पुत्र - अशोक पंडा, अरूण पंडा, अनिल पंडा, रघुनंदन पंडा, अजित पंडा
पुत्रवधु - कल्पना, ज्योति, प्रतिमा, निरूपमा एवं समस्त शोकाकुल पंडा परिवार...
संपर्क नंबर - 9827470213, 9926733994, 9131296338, 9827190235
निवास : ब्लाक 7एफ, सड़क एवेन्यू ई सेक्टर 6 भिलाई नगर

खास खबर...

गोंड महासभा की नई कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

रायपुर। समाज के उद्देश्य और लक्ष्य निर्धारण करने के लिए छत्तीसगढ़ गोंडवाना गोंड महासभा ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा की। जिसमें रायपुर संभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी जिवराखन मरई को सौंपा गया। इसके अलावा अन्य पदाधिकारियों में प्रांतीय अध्यक्ष - अकबर राम कोर्राम, प्रांतीय कार्यकारिणी अध्यक्ष - रमेश चंद्र श्याम, प्रांतीय महसचिव - तरूण नेताम, प्रांतीय कोषाध्यक्ष - मोहन कोमरे, प्रांतीय उपाध्यक्ष - कमलेश ध्रुव व यु .आर. गंगराले, प्रांतीय उपाध्यक्ष व संभाग एवं प्रवक्ता बिलासपुर - विनोद नागवंशी, बस्तर संभाग अध्यक्ष - लखन लाल जुर्री, प्रांतीय उपाध्यक्ष बस्तर संभाग - सुमेर सिंह नाग, प्रांतीय उपाध्यक्ष सरगुजा - विजय सिंह खुसरो, प्रांतीय सचिव - जयपाल सिंह ठाकुर व अंजोर सिंह सिदार, प्रांतीय मीडिया प्रभारी - जिवराखन लाल उसारे, दुर्ग संभाग संयुक्त सचिव - रिखी राम नेताम, संभाग उपाध्यक्ष - कमलेश सोरी, बिलासपुर संभाग अध्यक्ष - ननकी राम सिदार, अध्यक्ष बस्तर संभाग प्रवक्ता - कमल कांत सोरी व कार्यकारिणी सदस्य बिलासपुर की जिम्मेदारी समय सिंह गोड़ को सौंपा गया है।

आदमी पार्टी की नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी ने पुरानी कार्यकारिणी के साथ साथ नई कार्यकारिणी की घोषणा की है। केंद्रीय नेतृत्व, प्रदेश प्रभारी डॉ. संदीप पाठक और प्रदेश सह प्रभारी मुकेश अहलावत ने कुछ कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारी सौंपी है।

प्रदेश महासचिव वदूद आलम ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू द्वारा जारी सूची में कुछ पुराने चेहरों को नई जिम्मेदारी दी गई है। जारी सूची में जसबीर सिंग चावला प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष, खड़क राज सिंह प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष, भानु प्रकाश चंद्रा प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मेहर सिंह वट्टी प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष,अभिषेक मिश्रा प्रदेश उपाध्यक्ष (प्रभारी कोरबा रायगढ़ जोन), सुखवंती सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष (प्रभारी प्रदेश पंचायत), रुसेन कुमार मिरी प्रदेश उपाध्यक्ष (प्रभारी एससी विंग), उत्तम जायसवाल प्रदेश संगठन महासचिव, देवलाल नरेटी प्रदेश संगठन महासचिव,अरुण नायर प्रदेश संगठन मंत्री (प्रभारी बिलासपुर जांजगीर चांपा ज़ोन, संतोष कुशवाहा प्रदेश सचिव, देवेंद्र सिंह भाटिया प्रदेश सचिव, विजय वर्मा प्रदेश सचिव, सुरेंद्र बिसेन प्रदेश संयुक्त सचिव, संजय सिंह प्रदेश संयुक्त सचिव, दीपक आरदे प्रदेश संयुक्त सचिव, प्रतिमा सिंह प्रदेश संयुक्त सचिव,पवन सक्सेना प्रदेश संयुक्त सचिव,महेंद्र बिसेन प्रदेश संयुक्त सचिव,अरविंद राजपूत प्रदेश संयुक्त सचिव, इमरान खान प्रदेश अध्यक्ष (यूथ विंग), रघुराज ठाकुर प्रदेश अध्यक्ष (आरटीआई विंग), संजय गुप्ता प्रदेश सचिव (आरटीआई विंग) को प्रदेश की जिम्मेदारी दी गई है।

युवाओं को अध्यात्म से जोड़ रहा डिवाइन यूथ फोरम, नई उमंग, नई तरंग ध्येय के साथ शुरू हुआ प्रशिक्षण शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर।आध्यात्मिकता के जरिए युवाओं में संस्कार, नैतिक गुण जागृत कर खुद में बदलाव लाने और समाज व राष्ट्र के प्रति सेवा की भावना विकसित करने के उद्देश्य से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के युवा प्रभाग ने डिवाइन यूथ फोरम की शुरुआत की है। इसके तहत राष्ट्रीय और जोनल स्तर पर संस्था विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है। रविवार को सड्ढू स्थित शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर में नई उमंग, नई तरंग ध्येय वाक्य के साथ युवाओं के लिए प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत की गई। वर्तमान परिस्थितियों में युवाओं में पनप रहे तनाव, अशांति और अधीरता एवं व्यसनों से मुक्ति के लिए फुल स्टॉप-फुल स्टॉक का मूलमंत्र युवाओ को दिया गया।

कार्यक्रम में युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्रह्माकुमारी कृति दीदी, कलकत्ता इस्ट जोन की बीके कमला दीदी सहित भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा, छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, युवा उद्यमी आदित्य मूंदड़ा, ग्रामीण सेवा प्रभाग की संयोजिका बीके सरिता दीदी और रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी उपस्थित थीं।

भाजयुमो के अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा ने कहा कि यह संस्था एक विशाल वटवृक्ष की तरह है, जिसकी शाखाएं विश्व के 147 देशों तक फैली हुई हैं। इस वृक्ष का हिस्सा बनकर मुझे खुशी हो रही है। युवा किसी भी राष्ट्र का निर्माता होता है। आध्यात्मिकता के जरिए उन्हें मार्गदर्शन देने और दुर्व्यसनों से बचाकर सशक्त राष्ट्र के निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का संस्था का यह प्रयास सराहनीय है।

अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा ने कहा कि युवा शब्द को ऊल्टा कर दो तो वह वायु बन जाता है। आज का युवा वर्ग वायु की तरह निरंतर बह रहा है। उस पर कोई नियंत्रण नहीं है। ऐसे में डिवाइन यूथ फोरम की थीम फुल स्टॉप-फुल स्टॉक युवाओं का मार्गदर्शन कर रही है कि वर्तमान परिवेश की बहती हुई हवा में युवाओं को कहां रुकना और कहां चलना है। युवा उद्यमी आदित्य मूंदड़ा ने कहा कि बहुत से संगठन युवाओं पर काम कर रहे हैं। मेरा भी संगठन है, लेकिन युवाओं की आध्यात्मिक उन्नति और शांति पर हमने कभी काम नहीं किया। यहां आकर ऐसा लग रहा है कि हमें भी इस दिशा में काम करना चाहिए।

युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्रह्माकुमारी कृति दीदी ने कहा कि 1985 में इस युवा प्रभाग का गठन किया गया। तब से पदयात्रा, साइकिल रैली, बस रैली इत्यादि और वर्तमान में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को रचनात्मक कार्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। रायपुर सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि डिवाइन यूथ फोरम के जरिए युवाओं की आत्मिक शक्ति और ऊर्जा को जागृत कर उन्हे राष्ट्र निर्माण के कार्य में सहयोगी बनाया जा रहा है।

वक्ता मंच ने 125 महिलाओं का किया सम्मान 'छत्तीसगढ़ महिला गौरव अवार्ड' से बढ़ा मान

इस आयोजन से महिलाओं की सफलता की कहानियां जन-जन तक पहुंचेंगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अग्रणी सामाजिक व साहित्यिक संस्था वक्ता मंच द्वारा राजधानी के वृन्दावन सभागृह में प्रदेश के 11 जिलों से चयनित 125 प्रतिभाशाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ महिला गौरव अवार्ड शीर्षक से आयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि चिकित्सक डॉ. सुमेधा श्रीवास्तव थी। अध्यक्षता वरिष्ठ समाज सेवी अशोक अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि की आसंदी पर पत्रकार पीके तिवारी एवं राजकुमार धर द्विवेदी, गोंड आर्ट कलाकार अंकुर शुक्ला, बुजुर्ग सेवा समिति की अध्यक्ष रुक्मणि रामटेके, शिक्षाविद अरुणा चौबे, समाज सेविका ज्योति शुक्ला एवं जीएसटी आयुक्त एम राजीव उपस्थित थे।

वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश परातें ने जानकारी दी है कि रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, बेमेतरा, कवर्धा, राजनांदगांव, दुर्ग, महासमुंद, गरियाबंद, बालोद, बिलाईगढ़ से चयनित 125 महिलाओं को मोमेंटो व सम्मान पत्र प्रदान किया गया। इन महिलाओं का खेल, समाज सेवा, शिक्षा, साहित्य, बाईक राइडिंग, पर्यावरण, चिकित्सा, एन जी ओ, कला, संस्कृति, फिल्म में अभिनय, एलबम निर्माण, राजनीति, लोक कला, पत्रकारिता, प्रकाशन, पर्वतारोहण, प्रशासन, आध्यात्म, नर्सिंग,पुलिसिंग, इवेंट आर्गेनाइजर, आर्किटेक्ट, रंगकर्म, उद्यानिकी,पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में जारी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि चूड़ियां पहननेवाले हाथों ने ही इतिहास की रचना की है। वक्ता मंच के इस आयोजन से महिलाओं की सफलता की कहानियां जन-जन तक पहुंचेंगी। भारत की महिलाएं अब घर की चौखट लांघकर अपने हकों हेतु लड़ रही है। महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में दूरदर्शिता, जीवंत उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ जीवन की सभी चुनौतियों का सामना कर रही है। सम्मानित हो रही अनेक महिलाओं ने विकट परिस्थितियों से लड़कर सफलता का नया कीर्तिमान रचा है और समाज को नई प्रेरणा दी है।

पुरस्कार वितरण का आरम्भ दिव्यांग पैरा ओलंपिक विजेताओं दुर्ग की संगीता मसीह, कवर्धा की छोटी मेहरा एवं महासमुंद की ईश्वरी निषाद को सम्मानित किए जाने के साथ हुआ। महिला ऑटो चालक रायपुर की अनिता निहाल को पुकारे जाने के साथ ही समूचा सभागृह तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। डीएसपी मंजुलता राठौर के सम्मान के दौरान लोगों ने खड़े होकर उनकी कर्त्तव्य परायणता को सराहा। वक्ता मंच द्वारा विगत 20 वर्षों से प्रतिवर्ष जीवन व समाज के विविध क्षेत्रों में सफलता के झंडे गाड़नेवाली महिलाओं को सम्मानित किए जाने का क्रम जारी है।

कार्यक्रम में वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश परातें, संयोजक शुभम साहू, कार्यक्रम प्रभारी विवेक बेहरा, दुष्यंत साहू, धनेश्वरी नारंग, राजाराम रसिक, डॉ. इंद्रदेव यदु, प्रशांत यदु, संतोष धीवर, पूर्णेश डडसेना, उमा स्वामी, अभिषेक श्रीवास्तव, परम कुमार, खेमराज साहू, हेमलाल पटेल सहित टीम वक्ता मंच के समस्त सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में नवापारा राजिम के पत्रकार तुकाराम कंसारी, सारंगढ़ के पत्रकार लक्ष्मी नारायण लहरे, वरिष्ठ साहित्यकार राजेंद्र रायपुरी एवं वरिष्ठ समाज सेवी राजू रामटेके भी उपस्थित रहे। अंत में लकी ड्रॉ के माध्यम से कुसुम त्रिपाठी को वर्ष की भाग्यशाली महिला घोषित कर गिफ्ट पैक प्रदान किया गया।

रायपुर से सटे गांव पहुंची राजस्व सचिव कंगाले, डिजिटल क्रॉप सर्वे का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व सचिव रीना बाबा साहब को बंगाले ने आज जिले के अभनपुर विकासखंड के ग्राम छछान पैरी में डिजिटल क्रॉप सर्वे का निरीक्षण किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर (आईएएस) नम्रता जैन, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह तथा तहसीलदार सीता शुक्ला उपस्थित रहीं। निरीक्षण के दौरान सचिव ने खेतों का अवलोकन किया।

उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे शासन की महत्वपूर्ण पहल है, जिसके जरिए किसानों की वास्तविक फसल का सटीक रिकॉर्ड तैयार होगा। इससे भविष्य में फसल बीमा, मुआवजा और विभिन्न केंद्र-राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जा सकेगा। राजस्व सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सर्वेक्षण कार्य पूरी पारदर्शिता और शुद्धता के साथ किया जाए तथा किसानों को प्रक्रिया की सही जानकारी दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल तकनीक के उपयोग से फसल सर्वेक्षण अधिक भरोसेमंद बनेगा और किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

लगातार लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रयासरत है। वहीं सभापति सूर्यकान्त राठौर ने कहा कि पारदर्शी व्यवस्था के तहत पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है।

रायपुर बिहान समूह की दो दीदियां गुरुग्राम प्रशिक्षण में होंगी शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला पंचायत रायपुर की नवाचारी पहल के तहत बिहान योजना से जुड़ी स्व-सहायता समूह की दो दीदियां हुलेश्वरी निषाद, ग्राम बनचरौदा, ब्लॉक आरंग एवं जागेश्वरी विश्वकर्मा ग्राम भरुआडीहकला, ब्लॉक तिल्दा ड्रोन पायलट प्रशिक्षण के लिए रवाना हुईं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में पहल की गई है। दोनों दीदियां हरियाणा राज्य के गुरुग्राम जिले स्थित ड्रोन डेस्टिनेशन प्राइवेट लिमिटेड, बहोरा कलां, तहसील पटौदी में आयोजित 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में शामिल होंगी। इस प्रशिक्षण में देश के विभिन्न राज्यों से कुल प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं पंजाब से 1, गुजरात से 1, महाराष्ट्र से 3 एवं छत्तीसगढ़ से रायपुर जिले की 2 दीदियां शामिल है।

इस कार्यक्रम में इफको रायपुर का विशेष सहयोग रहा है। प्रशिक्षण उपरांत संस्थान द्वारा प्रत्येक प्रतिभागी को ड्रोन एवं परिवहन हेतु ई-ऑटो उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण कर लौटने के बाद दीदियां जिले के विभिन्न गांवों में किसानों के खेतों में ड्रोन के माध्यम से तरल उर्वरक एवं कीटनाशकों का छिड़काव करेंगी। इस सेवा से उन्हें प्रति एकड़ लगभग 300 रुपए की आमदनी होगी। यह पहल न केवल उन्हें आत्मनिर्भर बनाएगी बल्कि कृषि के आधुनिकीकरण और किसानों की उत्पादकता बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

जिला पंचायत के सीईओ कुमार बिश्वरंजन ने कहा कि बिहान की दीदियों को ड्रोन संचालन जैसी अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ना, उन्हें उद्यमिता एवं आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करने का प्रयास है। यह पहल प्रधानमंत्री की 'लखपति दीदी' योजना को साकार बनाने की दिशा में कारगर साबित होगी।दीदी हुलेश्वरी ने रवाना होने से पूर्व कहा, हमारे लिए यह बहुत बड़ा अवसर है। पहले तक ड्रोन केवल टीवी और वीडियो में देखा था, अब हम खुद इसे संचालित करना सीखेंगे और किसानों की मदद करेंगे। वहीं दीदी जागेश्वरी ने कहा, इस प्रशिक्षण के बाद हम आत्मनिर्भर बनेंगे और गांव की अन्य बहनों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन पाएं।

दादागुरुदेव ने जिनमार्ग में क्षमा को बताया श्रेष्ठ धर्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर द्वारा प्रतिष्ठित चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में आज श्वेतांबर दिगम्बर परम्परा के पर्युषण पर्व पश्चात सकल जैन समाज ने 84 लाख जीवायोनि से मन वचन काया से क्षमायाचना की व सभी जीवों को क्षमा प्रदान की।

श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि चारों दादागुरुदेव ने जिनमार्ग में क्षमा को श्रेष्ठ धर्म बताया है। क्षमा मांगना व क्षमा प्रदान करना वीरों का कार्य है और महावीर स्वामी के अनुयायी ही यह कार्य करते हैं। चमत्कारी जैन दादाबाड़ी में सैकड़ों भक्तों की उपस्थिति में दादागुरुदेव का जयकारा लगाते हुए बड़ी पूजा का आगाज स्थापना के मंत्रों के साथ किया। स्थापना नारियल चावल एवं द्रव्य के समर्पण मंत्र के साथ की गई। उपरोक्त जानकारी श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के महासचिव महेन्द्र कोचर ने करते हुए कहा की, स्थापना के पश्चात ,बड़ी पूजा का प्रारंभ संगीतमय चोपाई दोहों के साथ सुप्रसिद्ध भजन गायिका मंजू कोठारी ने किया इसी प्रकार बड़ी पुजा के आठ विधान क्रमश सुप्रसिद्ध गायक वर्धमान चोपड़ा निर्मल पारख, श्रीमती पूनम चोपड़ा द्वारा संगीतमय प्रस्तुतियो एवम भजनों से लगातार 4 घंटे तक मंदिर व दादाबाड़ी प्रांगण में भक्ति रस की गंगा प्रवाहित होती रही।

यही नही निर्मल पारख के भजन के ये बोल , चांद सा सुंदर चेहरा तेरा नैन है अमृत के प्याले, वो तो कोई और नहीं है वो तो है मेरे दादा गुरु प्यारे के द्वारा सभी भक्तो को भक्ति के आनंद से सरोबार कर दिया इस प्रकार अष्ठ प्रकारी पूजा क्रमश, जल,चंदन,पुष्प, धूप, दीप , चावल, नेवेध्य, फल, का दादा गुरुदेव की मूर्ति के सम्मुख समर्पण लाभार्थी परिवारों द्वारा किया गया ,तत्पश्चात , वस्त्र पूजा एवम अंतिम विधान ध्वजपूजन में महिलाओं द्वारा सिर में चांदी की 11 ध्वजा को रखकर कलात्मक मार्बल की छतरी की तीन फेरी देकर शिखर पर ध्वजा विराजमान की गई।

नगरीय निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ की नवीन प्रदेश कार्यकारिणी का हुआ गठन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ द्वारा रायपुर राजधानी में प्रदेश स्तरीय बैठक में नवीन प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया गया। उक्त बैठक में दूर-अंचल क्षेत्रों बस्तर सरगुजा नारायणपुर कोंडागांव, कांकेर, बीजापुर, जगदलपुर, दंतेवाडा, अम्बिकापुर जशपुर, सूरजपुर बलरामपुर, रायपुर दुर्ग बिलासपुर राजनांदगांव कवर्धा बालोद धमतरी महासमुंद डोंगरगढ़, आदि समस्त जिलों के पदाधिकारी बैठक में उपस्थित हुए। उपस्थित सभी पदाधिकारियों द्वारा सर्वसम्मति से खेमूलाल निषाद को प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। एवं प्रदेश कारिणी अंतर्गत प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष - संजय एडे, शक्लि वेल सौरभ यादव, प्रदेश महासचिव - शरदराम पोया, प्रदेश उपाध्यक्ष- देवेन्द्र ध्रुव अजय मेश्राम मुमताज खान, प्रदेश संयुक्त सचिव- राहुल मेढ़े प्रदेश प्रवक्ता- हिमांशु यदु, प्रदेश कोषाध्यक्ष - महेश श्रीवास्तव व तामेश साहू प्रदेश सह-सचिव- नरेन्द्र साहू, प्रदेश संभाग अध्यक्ष- रायपुर - हीरालाल चौहान, दुर्ग - राहुल मेढ़े, बिलासपुर - कौशलेन्द्र राणा, सरगुजा - शैलेष उपगड़े, प्रदेश मिडिया प्रभारी - दिनेश कश्यप, संजय लहरे, रूस्तम, संगठन मंत्री- सुंदर नेताम, चंद्रप्रकाश साहू, मनोज कोसरे संदीप पोया, सचिन दीपक, चंद्रशेखर साहू, विधिक सलाहकार - अजीत कसार आदि को चुना गया।

गठन पश्चात महासंघ की नवीन प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सरकार को अपनी जायज मांग प्रमुख रूप से नगरीय निकायों में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों को निकाय से सीधे न्यूनतम 21000 वेतन भुगतान किया गया। तथा निरंतर 10-15 वर्षो से कार्यरत कर्मचारियों को स्थायीकरण/नियमितिकरण की मांगों को प्रमुखता से रखी गई। तथा आगामी समय में अपनी मांगों से शासन प्रशासन को अवगत कराने हेतु हड़ताल की योजना बनाई गई है। मांग पूरी नही होने की स्थिति में अति आवश्यक सेवाएं प्रभावित होगी जिसमें प्रमुखत: पानी, बिजली, सफाई आदि लोक सेवाओं शामिल रहेगी। जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

एक चतुर नार में कामेडी के रंग में नजर आएंगी दिव्या खोसला

अभिनेत्री दिव्या खोसला अपनी आने वाली फिल्म एक चतुर नार को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 12 सितंबर को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वो पहली बार कामेडी में हाथ आजमाती दिखाई देंगी। फिल्म की रिलीज से पहले दिव्या ने बताया कि वो हमेशा से ही कामेडी में हाथ आजमाना चाहती थीं। उनके अंदर कामेडी कूट-कूटकर भरी हुई है।

दिव्या खोसला ने कहा, मुझे हमेशा से पता नहीं क्यों लगता रहा है कि कामेडी ही मेरी शैली है। और मैं हमेशा से इसे करना चाहती थी और ईश्वर से प्रार्थना करती थी कि मुझे एक कामेडी फिल्म में काम करने का मौका मिले। इसलिए जब यह मौका आया, तो मुझे लगा कि आखिरकार मुझे वह करने का मौका मिल रहा है जो मैं करना चाहती थी। शायद लोग मेरे इस पहलू को नहीं जानते, क्योंकि मैं असल जिंदगी में भी बहुत कामेडी करती रहती हूं।

उन्होंने आगे कहा, शायद इसलिए इस फिल्म में काम करते हुए मुझे काफी मजा आया और मुझे लगता है कि जब आप इसका आनंद लेते हैं और उस दबाव को नहीं लेते, तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात होती है, वह सफर वाकई सुखद होता है। एक चतुर नार की कहानी हिमांशु त्रिपाठी ने लिखी है। इस फिल्म को उमेश शुक्ला ने डायरेक्ट किया है। यह एक ब्लैक कामेडी थ्रिलर फिल्म है। इसमें दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह 12 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

फिल्म की कहानी एक छोटे शहर में रहने वाली होनहार लड़की की है। वह बहुत ही महत्वाकांक्षी और चालाक है। इसमें उसके हाथ बड़े शख्स का प्राइवेट वीडियो आ जाता है। वो फिर उसे आगे बढ़ने की सीढ़ी की तरह इस्तेमाल करने लगती है। फिल्म में उनके सह-कलाकार नील नितिन मुकेश ने भी फिल्म में काम करने का अपना अनुभव कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में साझा किया था। इसमें उन्होंने निर्देशक की अपने कलाकारों का अच्छी तरह से ख्याल रखने और उन्हें उड़ान भरने की पूरी आजादी देने के लिए सराहना की थी।ह्यह्य

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने बताया मुश्किल समय में कैसे बनाए रखती हैं अपना आत्मविश्वास

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा फिल्म इंडस्ट्री की फिट एक्ट्रेस में से एक मानी जाती हैं। उनकी फिटनेस और स्टाइल देख लोग हैरान हो जाते हैं। वो हमेशा आत्मविश्वास से भरी हर काम को आसानी से कर लेती हैं।

मलाइका अरोड़ा ने जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, फिर भी मुश्किल समय में अपना आत्मविश्वास नहीं डिगने दिया। उन्होंने अपना आत्मविश्वास बनाए रखने का मंत्र से साझा किया है। अभिनेत्री ने कहा, मैं खुद को याद दिलाती हूं कि मुश्किल समय आना भी ठीक है। व्यायाम करना, कृतज्ञता का अभ्यास करना और अपनी खामियों को स्वीकार करना मुझे हमेशा अपने मूल में वापस लाता है।

मलाइका अरोड़ा अपने फैंस के बीच अपनी कमाल की फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। वो अक्सर ट्रेंड सेट करने में आगे रहती हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि वह कैसे आराम से ग्लैमर और कंफर्ट के बीच संतुलन बनाती हैं। बा, मैं ग्लैमर को अपने आराम यानी कंफर्ट पर भारी नहीं पड़ने देती हूं। असली स्टाइल तब होता है जब आप किसी कमरे में शानदार दिखते हुए प्रवेश करें, लेकिन फिर भी अपनी अहमियत को बरकरार रखें। आराम को दरकिनार कर मैं कभी फैशन कैरी करना पसंद नहीं करती।

मलाइका अरोड़ा को योग करना काफी पसंद है। इसके जरिए वो खुद को फिट रखती हैं। कुछ दिनों पहले एक पोस्ट में उन्होंने सूर्य नमस्कार से होने वाले फायदों के बारे में बताया था। साथ ही इसे आसानी से कैसे किया जाए यह भी समझाया था।

मलाइका अरोड़ा फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस और डांसर हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1990 के दशक में एमटीवी इंडिया के लिए वीजे के रूप में की थी। जब उन्होंने बालीवुड में हाथ आजमाया तो उन्हें एक मजबूत पहचान एक्टिंग से ज्यादा आइटम नंबर्स से मिली। 2010 में रिलीज हुई फिल्म दबंग का मुी बदनाम हुई काफी हिट रहा था। मलाइका ने 1998 में अभिनेता अरबाज खान से शादी की थी और 2017 में उनका तलाक हो गया था।

डायना पेंटी का देसी स्वैग, येलो क्राप टाप व मोजड़ी में बिखेरा जलवा

फिल्म काकटेल से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री डायना पेंटी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट तस्वीरों में डायना बेहद स्टाइलिश लुक में नजर आ रही हैं। उन्होंने येलो कलर के क्राप टाप के साथ ब्लू कलर की जींस कैरी की है। वहीं, ऊपर से नेट का कुर्ता पहना है। लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने पैरों में मोजड़ी पहनी है।

तस्वीरों की बात करें तो वह पहली तस्वीर में झुमका पहनती दिख रही हैं, और दूसरी में कैमरे की तरफ देखती हुई स्माइल करती हुई अपने बालों को छू रही हैं। तीसरी तस्वीर में डायना स्टाइलिश अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। उनकी हर तस्वीर में चेहरे की रौनक साफ झलक रही है।

डायना ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में सिर्फ येलो, पिंक, और आसमानी रंग के तीन हार्ट इमोजी पोस्ट किए हैं, जो उनकी इस ड्रेस और मूड को खूबसूरती से बयां कर रहे हैं। उनकी इस तस्वीरों को कई यूजर ने लाइक किया है और फैंस ने ब्यूटीफुल और गार्जियस जैसे कमेंट किए हैं।

डायना ने अपने करियर की शुरुआत माडलिंग से की थी। इसके बाद उन्हें साल 2012 में आई फिल्म काकटेल में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ दीपिका पादुकोण, सैफ अली खान, बोमन ईरानी और डिंपल कपाड़िया नजर आए थे। इसके बाद उन्हें फिल्म हैप्पी भाग जाएगी, परमाणु, सेल्फी, और ब्लडी डैडी जैसी फिल्मों में देखा गया था। अभिनेत्री के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह करण जौहर की वेब सीरीज डू यू वाना पार्टनर में तमा भाटिया के साथ नजर आएंगी, जो 12 सितंबर को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

महेंद्र सिंह धोनी अब फिल्मी दुनिया में

रविवार की सुबह एक चौंकाने वाले वीडियो से शुरू हुई। 7 सितंबर को आर. माधवन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसे उन्होंने वसन बाला की द चेज का टीजर बताया। सबसे बड़ा सरप्राइज ये था कि उसमें माधवन के साथ महेंद्र सिंह धोनी भी फुल फ्लेज रोल में नजर आए। वो एक टास्क फोर्स ऑफिसर के रूप में गोलियां बरसाते दिखे। हालांकि माधवन ने ये साफ नहीं किया कि ये फिल्म है, वेब सीरीज है या कुछ और। फिलहाल इसकी पूरी जानकारी गुप्त रखी गई है।

टीजर में माधवन और धोनी को 'दो जांबाज' के तौर पर दिखाया गया है। दोनों 'एक मिशन' पर निकले हैं। दोनों यूनिफॉर्म पहने हुए दिखाई दिए। धोनी को जहां दिमाग से सोचने वाले 'दू कूल हेड' के तौर पर दिखाया गया तो वहीं, माधवन दिल से सोचने वाले द रोमांटिक कहा गया। टीजर में दावा किया गया है कि ये मजेदार एक्शन-थ्रिलिंग शो होगा। काला चश्मा लगाए माधवन और धोनी ताबड़तोड़ दुश्मनों पर गोलियां बरसा रहे हैं। क्लिप शेयर करते हुए माधवन ने कैप्शन लिखा- एक मिशन, दो जांबाज तैयार हो जाइए- एक जबरदस्त और धमाकेदार चेज शुरू होने वाली है। द चेज- टीजर आउट नाउ।'' इसे वसन बाला ने डायरेक्ट किया है। लेकिन अंत में ये कहीं नहीं लिखा कि अगर ये फिल्म है तो ये रिलीज कब होगी। बस कमिंग सून लिखकर छोड़ दिया गया है।

आपके बच्चे का भी पढ़ाई में नहीं लगता मन? ये 5 काम बदलेगी आदत

आजकल के ज्यादातर बच्चे पढ़ाई से जी चुराते हैं, जिसका सबसे बड़ा कारण है एकाग्रता की कमी। वे घंटों किताबें लिए बैठे तो रहते हैं, लेकिन उनका ध्यान पढ़ाई के बजाय अन्य चीजों में ही लगा रहता है। ज्यादातर बच्चे पढ़ते समय खेल-कूद, खाने, टीवी देखने या मोबाइल चलाने के बारे में सोचते रहते हैं। अगर आपके बच्चे का भी पढ़ाई में मन नहीं लगता तो बच्चों की देखभाल से जुड़े ये 5 टिप्स उसकी आदत को बदल सकते हैं।

पढ़ाई करने का समय निर्धारित करें

बच्चों के लिए एक व्यवस्थित टाइम टेबल बनाना जरूरी होता है, ताकि उन्हें पता हो कि उन्हें कब क्या करना है। अगर आप रोज उन्हें अलग-अलग समय पर पढ़ने बैठाएंगे तो उनके लिए ध्यान लगा पाना मुश्किल हो जाएगा। इसके बजाय पढ़ने का समय निर्धारित करें, ताकि आपका बच्चा ध्यान लगाकर पढ़ाई कर सके। इसके लिए शाम का समय सबसे अच्छा रहता है। जब आप रोजाना उसे 1-2 घंटे पढ़ाएंगे तो जल्द ही यह उसकी आदत बन जाएगी।

ध्यान भटकाने वाली चीजों को बच्चे से दूर रखें

मोबाइल जैसे उपकरण इन दिनों बच्चों का ध्यान भटकाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। आपको इन्हें बच्चों से केवल पढ़ते समय ही नहीं, बल्कि हमेशा छिपाकर रखना चाहिए। इसके अलावा पढ़ाई के समय बच्चों के सामने बातें करने, खुद मोबाइल चलाने या टीवी देखने से बचें। इन चीजों से उनका ध्यान भटक सकता है, जिसके परिणामस्वरूप वे पढ़ाई नहीं कर पाएंगे। पढ़ाते समय उनके आसपास खिलौने आदि भी न रखें, क्योंकि वे भी एकाग्रता कम कर सकते हैं।

पढ़ाई को मजेदार बनाएं

बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करने का सबसे अच्छा तरीका है पढ़ाई को ही मजेदार बना देना। इसके लिए आप उन्हें खेल की तरह पढ़ा सकते हैं, जिसके दौरान क्विज आदि शामिल हों। उन्हें कहानियों की तरह पाठ पढ़ाएं, रचनात्मक गतिविधियां शामिल करें और पढ़ाई से संबंधित वीडियो दिखाएं। आप उनका दिमाग तेज करने के लिए उन्हें ऐसी जगहों पर ले जा सकते हैं, जहां उन्हें कुछ सीखने को मिले। उन्हें चिड़ियाघर, साइंस सेंटर या संग्रहालय ले जाएं।

रोजाना छोटे-छोटे लक्ष्य तय करें

बच्चों को जब एक साथ कई चीजें याद करने को कहा जाता है तो वे परेशान हो कर कुछ भी नहीं याद कर पाते हैं। इससे बेहतर होगा कि आप रोजाना थोड़ा-थोड़ा करके उन्हें पाठ याद करवाएं। हर दिन छोटे-छोटे लक्ष्य तय करें, जैसे कि एक पाठ पढ़ना, 10 सवाल हल करना या 20 नए शब्द याद करना आदि। इन लक्ष्यों को पूरा करने का समय भी निर्धारित करें, ताकि बच्चे की एकाग्रता बढ़े और वह अनुशासित रहे।

पढ़ने के बाद इनाम दें

अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा बिना डाटे पढ़ाई करे तो उसके प्रयासों को सराहना शुरू करें। जब भी वह पढ़ाई से जुड़ा कोई भी लक्ष्य पूरा करे तो उसकी तारीफ करें। ऐसा करने से उसे बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी, उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वह और ज्यादा मेहनत करने लगेगा। जब उसके अंक सुधरने लगें और वह खुद से मन लगाकर पढ़ने लगे तो उसे उसकी पसंद की चीज दिलाएं या कोई इनाम दें।

आफ शोल्डर ड्रेस में निधि झा का ग्लैमरस लुक देखकर दीवाने हुए फैंस

भोजपुरी सिनेमा की अदाकारा निधि झा एक बार फिर अपने अंदाज और फैशन सेंस से सुर्खियों में हैं। अपने अभिनय और बेबाक व्यक्तित्व के लिए पहचानी जाने वाली निधि झा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी हर पोस्ट को हजारों लाइक्स और कमेंट्स मिलते हैं।

इंस्टाग्राम पर उनके 15 लाख फालोवर हैं। शनिवार को उन्होंने अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनका जबरदस्त लुक देखने को मिल रहा है। इस फोटो पर उनका कैप्शन भी फैंस का ध्यान खींच रहा है।

इस तस्वीर में निधि झा एक गोल्डन कलर की आफ-शोल्डर वाली लान्ग ड्रेस पहने हुए दिखाई दे रही हैं, जो उन्हें अट्रैक्टिव लुक दे रहा है। एक्ट्रेस ने अपने बालों को खुला रखा है, जो एक तरफ से चेहरे पर गिर रहे हैं, जिसमें वह और भी ग्लैमरस दिखाई दे रही हैं।

उन्होंने स्टाइलिश सनग्लासेस कैरी किया है और होंठों पर रेड शेड की लिपस्टिक उनके पूरे लुक को और निखार रही है। उन्होंने इस तस्वीर पर मिर्च और हार्ट वाले इमोजी के साथ कैप्शन लिखा, सर्टिफाइड स्पाइस, हैंडल विथ केयर। कैप्शन में उनका आत्मविश्वास और बोल्ड अंदाज दिखाई दे रहा है।

इस पोस्ट पर उनके चाहने वाले जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा होगा, आप तो सच में तीखी हैं, स्क्रीन पर भी और रियल लाइफ में भी! दूसरे ने लिखा, इतनी खूबसूरत लग रही हो कि नजरें हटाना मुश्किल है। एक अन्य ने लिखा, लूलिया जी, आप तो हर बार स्टाइल से खेल जाती हैं! वहीं कुछ फैंस ने हार्ट और फायर इमोजी के जरिए उनकी तारीफ की।

निधि झा को उनके फैंस लूलिया गर्ल के नाम से बुलाते हैं। उन्होंने पावर स्टार पवन सिंह के गाने लूलिया का मांगेले में जबरदस्त परफार्म किया था, जिसके बाद से दर्शकों ने उन्हें लूलिया गर्ल का टैग दे दिया। निधि झा ने गदर, जिद्दी, कसम पैदा करने वाले की, स्वर्ग, सत्या समेत कई भोजपुरी फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा निधि क्राइम पेट्रोल और बालिका वधु समेत कई टीवी शो में भी काम चुकी हैं।

जड़ वाली सब्जियों को साफ करने के लिए आजमाएं ये 5 आसान तरीके

जड़ वाली सब्जियां जैसे आलू, गाजर, शलजम और मूली आदि कई व्यंजनों में इस्तेमाल होती हैं। हालांकि, अक्सर लोग इन्हें बिना अच्छे से साफ किए ही पकाने के लिए इस्तेमाल कर लेते हैं, जिससे इनका स्वाद प्रभावित हो सकता है। आज हम आपको जड़ वाली सब्जियों को साफ करने के लिए कुछ आसान और असरदार तरीके बताने जा रहे हैं, जिनका पालन करके आप इनका स्वाद और पोषण को बढ़ा सकते हैं।

पानी का उपयोग करें

जड़ वाली सब्जियों को साफ करने का सबसे सरल तरीका है कि उन्हें ठंडे पानी से अच्छी तरह धोएं। इसके लिए आप एक बड़े बर्तन में पानी भरकर उसमें सब्जियों को डालें और उन्हें कुछ मिनट छोड़ दें। इससे मिट्टी और अन्य गंदगी निकल जाएगी। इसके बाद आप एक साफ ब्रश या हाथों से हल्के से रगड़कर उन्हें पूरी तरह से साफ कर सकते हैं। यह तरीका आलू, गाजर, शलजम और मूली जैसी सब्जियों के लिए असरदार है।

नमक का छिड़काव करें

नमक का छिड़काव करने से जड़ वाली सब्जियों की सतह पर मौजूद कीटाणुओं को मारने में मदद मिलती है। इसके लिए आप एक कटोरे में थोड़ा नमक और पानी मिलाकर एक घोल तैयार करें और उसमें सब्जियों को कुछ मिनट के लिए डालें। इससे न केवल गंदगी निकल जाएगी बल्कि सब्जियां सुरक्षित भी रहेंगी। इसके बाद आप ठंडे पानी से धोकर इन्हें इस्तेमाल कर सकते हैं।

सिरका या नींबू का रस लगाएं

सिरका या नींबू का रस लगाकर जड़ वाली सब्जियों को कुछ देर छोड़ देने से उनके स्वाद में निखार आता है और वे अधिक ताजगी महसूस कराती हैं। इसके लिए आप एक कटोरे में थोड़ा सिरका या नींबू का रस लेकर उसमें सब्जियों को कुछ मिनट के लिए डालें और फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे न केवल गंदगी निकल जाएगी बल्कि सब्जियां सुरक्षित भी रहेंगी।

ब्रश का उपयोग करें

कुछ जड़ वाली सब्जियां जैसे आलू और गाजर आदि पर मिट्टी अटक जाती है जिसे हटाने के लिए ब्रश का उपयोग करना चाहिए। इसके लिए आप एक साफ ब्रश लेकर उसे हल्के हाथों से रगड़ें ताकि सारी मिट्टी निकल जाए। इस प्रक्रिया को ध्यानपूर्वक करें ताकि सब्जियां पूरी तरह से साफ हो जाएं। इसके बाद आप इनका इस्तेमाल किसी भी व्यंजन में कर सकते हैं।

छिलका उतारें

अगर आपको लगता है कि सब्जियों पर बची हुई गंदगी हटाने में मुश्किल हो रही है तो आप उनका छिलका उतार सकते हैं। इसके लिए एक तेज चाकू लेकर धीरे-धीरे छिलका उतारें और फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे न केवल गंदगी निकल जाएगी बल्कि सब्जियां ताजगी भी महसूस कराएंगी। इन तरीकों को अपनाकर आप आसानी से जड़ वाली सब्जियों को साफ कर सकते हैं और उनका स्वाद बढ़ा सकते हैं।

आस्था के महासंगम में उमड़ा जन सैलाब, उत्साह और श्रृद्धा के साथ बप्पा को भक्तों ने दी विदाई

न्यू आजाद गणेशोत्सव समिति ने जीता दशक एवार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात नगरी में हुए आस्था के महासंगम में धर्म और संस्कृति की अनूठी तस्वीर नजर आई। बप्पा ने अपने भक्तों के बीच पहुंचकर अलग अलग स्वरूपों में दर्शन दिए। तो वही चारों ओर लोगों में देशभक्ति का जस्बा नजर आ रहा था। चारों ओर गणपति बप्पा और भारत माता के जयकारे गूंज रहे थे । इस दौरान बप्पा ने राजा महाराजा की तरह भक्तों को दर्शन दिए तो कहीं वे बैलगाड़ी में बैठकर अपने धाम की ओर रवाना हुए। यह मनमोहक नजारा था सिविक सेंटर तिराहे का जहां प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा 'श्री गणेश विसर्जन महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया । जहां परम्परा और संस्कृति की अदभुत झलक नजर आई। राउत नाचा, धुमाल, ढोल नंगाड़ा पारंपरिक नाच-गाना और देवी देवताओं की वेष भूषा धारण कर कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक वेशभूषा धारण किए लोगों ने बप्पा की अंतिम विदाई पर देर रात तक जमकर झूमकर अपनी श्रद्धा प्रकट की।

आस्था रथ सांस्कृतिक मंच के 10 वें वर्ष के आयोजन में राजनीति से परे एकता का संदेश देते हुए जनप्रतिनिधि और समाजसेवी शामिल हुए । कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय, पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, पूर्व विधायक प्रतिमा चंद्राकर, भिलाई नगर विधायक नीरज पाल सहित समाजसेवी इंद्रजीत सिंग छोटू, हरेंद्र यादव, धीरेंद्र प्रताप सिंह, नगर निगम की पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं पार्षद सुभद्रा सिंह, डॉ.सुशोवन रॉय, सहित समाज के अन्य लोग शामिल हुए । यहां पहुंचे सभी

अतिथीयों ने आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा गणेश पूजन समितियों को हर वर्ष सम्मानित कर उनका हौसला बढाने और सभी को एक जुट कर भिलाई की एकता और अखंडता को परिभाषित करते हुए धर्म और संस्कृति की रक्षा करने के लिए बधाई दी।

सेना और पुलिस को समर्पित रहा मंच

आस्था-रथ सांसकृतिक मंच का दसवें वर्ष का आयोजन सेना और पुलिस के जवानों के लिए समर्पित रहा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के जवानों ने भारत माता की रक्षा के लिए अपने शौर्य का प्रदर्शन कर भारत की रक्षा का बीडा उठाया था और पुलिस ने शहर में रहते हुए समाज की रक्षा की थी। इसलिए इन दोनो ही देश के प्रमुख सजग सिपाहियों को आयोजन के दौरान नमन किया गया।

दशक एवार्ड से सम्मानित हुआ न्यू गणेशोत्सव समिति

आस्था रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा वर्ष 2025 के आयोजन में कुल 71 झांकियां शामिल हुई जिन्हें कार्यक्रम में शामिल हुए अतिथीयों के द्वारा सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में वरिष्ठ और कनिष्ठ दो वर्गो में पुरस्कारों का वितरण किया गया जिसके तहत लगातार 9 सालों से लगातार विजेता रहे न्यू आजाद गणेशोत्सव समिति सेक्टर 2 दशक अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसी तरह से सर्वश्रेष्ठ थीम के लिए युवा खेल एवं सांस्कृतिक मंडल, सामाजिक, ऐतिहासिक और धार्मिक विषय पर आधारित सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए शिव मानस गणेशोत्सव समिति सेक्टर 10, को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी तरह से कनिष्ठ वर्ग में 7 वर्गों में पुरस्कारों का वितरण किया गया । वही अन्य मंच से होकर गुजरने वाली समस्त सभी को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया गया।

भिलाई रत्न, युवा गौरव और छत्तीसगढ गौरव सम्मान से सम्मानित हुए वरिष्ठजन

आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 'भिलाई रत्न' सम्मान का आयोजन किया गया। इसके तहत चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ जयराम अयर, शिक्षा के क्षेत्र में चिरंजीव जैन, व्यापारियों के हित में कार्य करने और उन्हें आगे बढाने के लिए छत्तीसगढ चेम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन और कला के क्षेत्र में अशोक पंचोली को सम्मानित किया गयां । इसी तरह से छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान से छत्तीसढ़ आर्मी पब्लिक वेलफेयर फाउण्डेशन के अध्यक्ष हरप्रीत सिंग, जांजगीर जिला मलखंभ ऐसोसियेशन के संस्थापक एवं हेड कोच पुष्कर दिनकर और दुर्ग जिला पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल को दिया गया। इसी तरह युवा गौरव सम्मान प्रभशरण भाटिया, और हरजिंदर सिंग को दिया गया।

सेवा योजना के तहत दी गई राशि

आस्था रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा इस वर्ष भी सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसके तहत सिख्ख यूथ सेवा समिति को को स्व.बीरा सिंग सेवा, और भारत की प्राचीन विधा मलखंभ को जीवित रखने एवं गांव के बंच्चों का हूनरमंद बनाने वाले कोच पुष्कर दिनकर को स्व प्रकाश भाकरे सेवा योजना के तहत 11 हजार की राशि का चेक भेंट किया गया।

आस्था-रथ की स्मारिका का हुआ विमोचन

आस्था रथ सांस्कृतिक मंच के द्वारा धर्म और संस्कृति से संबंधित एक स्मारिका का विमोचन भी अतिथीयों के द्वारा किया गया । स्मारिका के माध्यम से यह पहली बार हुआ है जब शहर की पूजन समितियों की विस्तृत जानकारी के साथ प्रसिद्ध मंदिरों की विशेषताएं और धर्म संबंधी सामग्री का समावेश किया गया है। समारोह में गीत संगीत का भी भव्य आयोजन किया गया जिसमें डॉल्फिन के कलाकारों ने एक से बढकर एक प्रस्तुति देकर देर रात तक समा बांधा।

मलखंभ के खिलाड़ियों ने किया हैरत अंगेज प्रदर्शन

आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच के दसवें वर्ष के आयोजन में भिलाई में पहली बार जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ से आए राष्ट्रीय स्तर के खिलाडियों ने समां बाधा। इन्होने भारत की प्राचीन विधा मलखंभ पर एक से बढ़कर एक हैरत-अंजेज प्रस्तुति देकर ऐसा समां बांधा। पामगढ़ के एक छोटे से गांव में रहने वाले इन खिलाडियों ने राष्ट्रीय स्तर पर 56 राष्ट्रीय और 148 राज्य स्तर के मेडल प्राप्त कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

समितियों का उत्साह बढ़ाना आयोजन का उददेश्य

आस्था रथ सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष मिथलेश ठाकुर ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य धर्म और संस्कृति की रक्षा करने के साथ साथ गणेश पूजन समितियों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाने का है ताकि वे भविष्य और भी बेहतर कार्य कर सकें । उन्होने कहा कि कार्यक्रम में शामिल हुई प्रत्येक समितियों को सम्मानित किया गया है ताकि उनका उत्साहवर्धन हो सके। आभार प्रदर्शन कार्यक्रम की संयोजक अनूभूति भाकरे ठाकुर ने किया। आस्था रथ सांस्कृतिक मंच के आयोजन को सफल बनाने में बनाने में दादाराव बोरोड़े, राजेश सांवले, सुरेंद्र ठाकुर, सत्री पशीने, वेंकट राव, प्रीतम हरपाल, सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

युक्ति युक्तकरण से प्राथमिक शाला के विद्यार्थियों को मिली नियमित शिक्षिका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लम्बे समय से एकलशिक्षकीय की बाट जोह रहे पाली ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम परसदा के प्राथमिक शाला लाइन पारा के विद्यार्थियों को नई शिक्षिका मिल गई है। पहले एकमात्र शिक्षक होने से पढ़ाई पूरी नहीं कर पाने वाले विद्यार्थी अब नई मैडम के परमानेंट आ जाने से खुश है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दिशा निर्देशन में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अतिशेष शिक्षको के युक्ति युक्तकरण की प्रकिया अपनाई गई। युक्ति युक्तकरण की इस प्रक्रिया से जिले के सैकड़ों विद्यालयों के विद्यार्थियों को लाभ पहुंचा हैं। खासकर शिक्षकविहीन और एकलशिक्षकीय वाले विद्यालयों में अतिशेष शिक्षको के समायोजन से शिक्षा की राह आसान हो गई है। जिले के अनेक दूरस्थ विद्यालय में युक्ति युक्तकरण से शिक्षक पदस्थ किए गए हैं। ऐसे ही पाली ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत परसदा के लाइनपारा में संचालित प्राथमिक शाला में 34 विद्यार्थी है। यहाँ प्रधानपाठक के रूप में श्री नोहर प्रसाद साहू है। उन्होंने बताया कि विद्यालय एकलशिक्षकीय था।

युक्ति युक्तकरण से इस विद्यालय को एक नियमित शिक्षिका मिली है। शिक्षिका के आने से विद्यार्थियों के लिए भी बढ़िया हो गया है। युक्ति युक्तकरण से लाइन पारा के विद्यालय में पदस्थ शिक्षिका श्रीमती नेमी जायसवाल का कहना है कि वह मूल रूप से पाली ब्लॉक के अन्य स्कूल में पदस्थ थी। अब नई पदस्थापना के बाद रेगुलर इस विद्यालय में पढ़ाई कराने आ रही है। उन्होंने बताया कि उन्होंने जून में ही नियमित शिक्षिका के रूप में यहाँ जॉइन कर लिया था। वह कक्षा एक से तीन तक नियमित क्लास लेती है। इस विद्यालय में पढ़ाई करने वाली कक्षा चौथी की छात्रा मानसी, पायल और पहली की पुनिशा ने बताया कि मैडम हमें रेगुलर पढ़ाती है।

प्रयास आवासीय विद्यालय को मॉडल स्कूल बनाने के लिए करे कार्यः वित्त मंत्री चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी रायगढ़ स्थित शासकीय प्रयास आवासीय विद्यालय पहुंचे और विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को इसे मॉडल विद्यालय के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

मंत्री चौधरी ने विद्यार्थियों से विद्यालय की मूलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल, बिजली, साफ-सफाई, भोजन, सुरक्षा और अध्ययन सामग्री की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। विद्यार्थियों ने बताया कि उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएँ समय पर मिल रही हैं और अध्ययन भी सुचारु रूप से चल रहा है। वित्त मंत्री ने विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति समर्पित रहने और आईआईटी, एनआईटी और नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं को लक्ष्य बनाकर निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि रायगढ़ का प्रयास विद्यालय प्रदेश का आदर्श विद्यालय बने और यहां से बच्चे राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में चयनित हों, यही हमारी प्राथमिकता है। श्री चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालय में नियमित साफ-सफाई, पौष्टिक भोजन, खेलकूद और योग गतिविधियाँ, खेल सामग्री और अन्य सभी आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएँ। साथ ही विद्यालय का समय-समय पर निरीक्षण भी अनिवार्य रूप से किया जाए।

प्रयास विद्यालयः मेधावी छात्रों के लिए विशेष पहल

प्रयास आवासीय विद्यालय, छत्तीसगढ़ सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इन विद्यालयों की स्थापना आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी छात्रों को उत्कृष्ट शिक्षा और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के अवसर उपलब्ध कराने के लिए की गई है। यहाँ छात्रों को निःशुल्क आवास, भोजन और कोचिंग दी जाती है, ताकि वे आईआईटी, एनआईटी और नीट जैसी परीक्षाओं में सफलता पाकर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने गोबरी नाला पर अस्थायी रपटा निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री एवं भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ने भैयाथान विकासखंड की जीवनरेखा कही जाने वाली गोबरी नदी पर निर्माणाधीन अस्थायी रपटा पुल का आज स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति का विस्तार से जायजा लेते हुए लोक निर्माण सेतु विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण में तेजी लाई जाए और कार्य को हर हाल में शीघ्र पूरा किया जाए।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने पुल निर्माण में लगे तकनीकी अमले और जिम्मेदार अधिकारियों से जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि यह कार्य जनहित से जुड़ा हुआ है और इसकी प्राथमिकता सर्वोच्च स्तर पर है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि भारी वर्षा के कारण दो माह पूर्व गोबरी नाला का पुल क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके चलते खुटरापारा, डबरीपारा, गंगोटी, बांसापारा सहित 10 से अधिक ग्राम पंचायतों के हजारों ग्रामीण आवागमन में कठिनाई का सामना कर रहे थे। रोजमर्रा की जरूरतें, बच्चों की शिक्षा और मरीजों की चिकित्सा व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। ग्रामीणों को 20 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा था।

मंत्री राजवाड़े ने निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों से भी चर्चा की और उन्हें आश्वस्त किया कि अस्थायी रपटा निर्माण शीघ्र ही पूर्ण होगा, जिससे आवागमन सामान्य हो जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा कि कार्य की गुणवत्ता और गति दोनों पर बराबर ध्यान दिया जाए।

छात्रावास संचालन से दूर दराज क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को मिलेगा लाभः मंत्री देवांगन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासकीय इंजीनियर विश्वेसरैया स्नाकोत्तर महाविद्यालय परिसर कोरबा में कल वाणिज्य, उद्योग, सार्वजिनक उपक्रम, वाणिज्यिक कर (आबकारी) व श्रम मंत्री छत्तीसगढ़ शासन लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में कन्या छात्रावास का शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मंत्री देवांगन ने शासकीय ई व्ही पी जी कॉलेज के 100 व 50 सीटर एवं शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय के 100 सीटर कन्या छात्रावास के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ किया एवं रिबन काटकर संस्थाओं में कन्या छात्रावास संचालन कार्य प्रारंभ किया। उन्होंने कॉलेज प्रबंधन एवं सभी छात्राओं को बधाई देते हुए छात्रावास के बेहतर संचालन हेतु शुभकामनाएं दी। कैबिनेट मंत्री देवांगन ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला प्रशासन की इस पहल की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए हुए कहा कि उन्होंने डीएमएफ राशि का उपयोग करने का अधिकार जिला को दिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप डीएमएफ राशि का उपयोग जिले में अनेक महत्वपूर्ण कार्यो में किया जा रहा है। पहुँचविहीन, दूरस्थ क्षेत्रों में अनेक स्थानों में जरूरत अनुसार नए सड़क, पुल पुलिया, स्कूल, आंगनबाड़ी भवन का निर्माण किया जा रहा है। जिले के सभी शासकीय प्राथमिक व माध्यमिक शाला में सबेरे पौष्टिक नास्ता का वितरण, पीवीटीजी वर्ग के शिक्षित युवाओं को रोजगार, मेधावी छात्रों को निःशुल्क नीट व जेईई की तैयारी जैसे अनेक कार्य डीएमएफ के माध्यम से किए जा रहे है।

मंत्री श्री देवांगन ने छात्रावास संचालन से होने वाले लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि जिले के दूर दराज क्षेत्रों से छात्राएं अध्ययन के लिए आते है, छात्रावास के संचालन से निश्चित ही उन्हें लाभ मिलेगा। इससे छात्राओं की समय और धन की बचत होगी, जिससे उनका पढ़ाई और रुचिकर होगी। उन्होंने कहा कि इस छात्रावास का संचालन रियायती दरों पर किया जा रहा है, जिससे छात्राएं इसका लाभ उठा सकें साथ ही अति पिछड़ी वर्ग से सम्बंधित छात्राएं जो छात्रावास की राशि जमा करने में असक्षम हो ऐसे योग्य छात्राओं के छात्रावास का खर्च जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफ से उठाया जाएगा।

श्री देवांगन ने कहा कि आज के छात्र कल के भविष्य है, बेटियों से दो कुल का नाम रौशन होता है, एक बेटी के शिक्षित होने से पूरा परिवार शिक्षित बनता है। इसलिए आप सभी मन लगाकर अपना पढ़ाई करिए। उन्होंने छात्रावास में सुरक्षा व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट जैसी आवश्यकताओं की पूर्ति शीघ्र करने की बात कही। जिससे छात्राएं सुरक्षित माहौल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें। उन्होंने हॉस्टल का संचालन बेहतर ढंग से करने के निर्देश कॉलेज प्रशासन को दिए एवं हॉस्टल की व्यवस्था को और अधिक मजबूती प्रदान करने हेतु मिल जुलकर प्रयास करने की बात कही।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से घर-घर जगमगाई रोशनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना ने आम जनजीवन में नई ऊर्जा और समृद्धि का संचार किया है। यह महत्वाकांक्षी योजना न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में क्रांतिकारी कदम साबित हो रही है, बल्कि आम लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त भी बना रही है।

धमतरी के व्यवसायी दीपक जैन इस योजना का प्रेरणादायी उदाहरण हैं। पहले उनके घर का बिजली बिल प्रतिमाह 10 से 15 हजार रुपये तक आता था, लेकिन अब छत पर 5 किलोवॉट का सौर ऊर्जा सिस्टम स्थापित करने के बाद उनका बिल घटकर मात्र 3 से 4 हजार रुपये रह गया है। इस तरह उन्हें हर महीने 10 हजार रुपये से अधिक की सीधी बचत हो रही है, जिससे वे अपने परिवार की जरूरतों और भविष्य की योजनाओं को बेहतर ढंग से पूरा कर पा रहे हैं। श्री जैन ने बताया कि उन्हें योजना की जानकारी समाचार पत्रों से मिली थी। त्वरित निर्णय लेते हुए उन्होंने सोलर सिस्टम लगवाया, जिस पर केंद्र सरकार से 78 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। साथ ही राज्य सरकार की ओर से 30 हजार रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी भी शीघ्र मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना ने न केवल मेरी ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया है।

खास खबर

धर्मांतरण को लेकर हंगामा, दो लोग पुलिस हिरासत में

जांजगीर-चांपा। जिले के नवागढ़ थाना क्षेत्र के गोधना गांव के 2 लोगों को हिरासत में लेने के बाद ग्रामीण भी बड़ी संख्या में पहुंच गए और थाना का घेराव कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने हिरासत में लिए गए 2 लोगों को छोड़ने की मांग की और देर रात तक थाना के सामने डटे रहे। दरअसल, गोधना गांव में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण करने को लेकर पुलिस ने दबिश देकर 2 लोगों को हिरासत में लिया था। इस वक्त हिन्दू संगठन के लोग भी थे और मौके पर पुलिस की मौजूदगी में हंगामा हुआ था। इसके हिरासत में लिए गए 2 लोगों को नवागढ़ थाना ले जाया गया। इस दौरान पुलिस जांच कार्रवाई में लगी थी कि, गोधना गांव के ग्रामीण बड़ी संख्या में थाना पहुंच गए और हिरासत में लिए गए 2 लोगों को छोड़ने की मांग की। इस तरह थाना परिसर में घण्टों तक माहौल गरमाया रहा। फिलहाल, ग्रामीणों के विरोध के बाद मामले में पुलिस अब क्या कार्रवाई करती है।

बच्ची को कुत्तों ने नोचा, स्थिति गंभीर

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक बार फिर आवारा कुत्तों का आतंक देखने को मिला है। बीरगांव के गाजी नगर वार्ड क्रमांक 29 में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई, जहां आधा दर्जन आवारा कुत्तों ने दो साल की मासूम अनाया पर हमला कर दिया। बच्ची घर के बाहर गली में खेल रही थी, तभी कुत्तों ने उसे घेर लिया और सिर, गाल और हाथों पर गंभीर रूप से काट लिया। बच्ची के सिर से दो जगह मांस का हिस्सा निकल गया है। घटना के बाद आसपास के लोगों ने बच्ची को बचाया और उसे तुरंत डीकेएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम घायल बच्ची के इलाज में जुटी है, और सिर की दो जगह सर्जरी की तैयारी चल रही है। बच्ची के पिता गुलाम मुस्तफा, जो ऑटो चालक हैं, और उनका परिवार सदमे में है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीरगांव में आवारा कुत्तों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि रात में अकेले निकलना मुश्किल हो गया है। कुत्ते सड़कों पर लोगों को दौड़ाते और घेर लेते हैं।

हाथी ने रोका हाईवा, ड्राइवर ने सूझबूझ से बचाई अपनी जान

बालोद। जिले के दल्ली राजहरा-महामाया माइंस रोड पर सोमवार सुबह एक दंतेल हाथी दिखाई दिया। सामने से हाथी को अपनी ओर आता देख हाईवा ट्रक चालक घबरा गया। हाथी ट्रक के पास तक पहुंच गया था, समय रहते चालक ने ट्रक को रिवर्स कर अपनी जान बचाई। राहगीरों ने इस दृश्य को मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। यह घटना दल्ली राजहरा वन परिक्षेत्र बोइरडीह पंपहाउस के पास की है। हाथी की मौजूदगी से इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, हाथी नलकसा और कुमुड़कट्टा होते हुए बोइरडीह साइड की ओर बढ़ा है। फिलहाल दल्ली राजहरा वन परिक्षेत्र के बोइरडीह पंपहाउस के पास देखा गया है। बालोद वनमंडल ने जानकारी दी कि सुबह 8:45 बजे एक हाथी कक्ष क्रमांक RF-143 में मौजूद था। फिलहाल जनहानि की कोई सूचना नहीं है। हालांकि किसानों के फसलों को नुकसान पहुंचा है। हाथी अभी-अभी गोटुलमुंडा बैरियर से क्रॉस हुआ है।

डीजे संचालकों पर कार्रवाई : विसर्जन जुलूस में डीजे बजाना पड़ा भारी, पुलिस ने जब्त किए 4 डीजे वाहन व 1 लाईट ट्रस्ट सेट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे बजाना समितियों को भारी पड़ गया। दुर्ग पुलिस ने अलग अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई कर चार डीजे वाहन व 1 लाईट ट्रस्ट सेट को जब्त किया है। इस मामले में गणेशोत्सव समिति व डीजे संचालकों पर कोलाहल अधिनियम तथा धारा 285 बीएनएस के अंतर्गत कार्रवाई की गई।

बता दें आगामी त्यौहारों हारों एवं धार्मिक कार्यक्रमों को दृष्टिगत रखते हुए डीजे बजाने के संबंध में दुर्ग पुलिस द्वारा डीजे संचालकों का बैठक लिया गया। बैठक में आवश्यक निर्देश भी जारी किया गया। इसके बाद भी कुछ डीजे संचालकों के द्वारा नियमों का पालन नहीं कर गणेश विसर्जन कार्यक्रम के दौरान अपने वाहन में साउंड सेटअप लगाकर तेज आवाज में डीजे

बजा रहे थे। कुल 4 डीजे संचालकों के विरूद्ध तथा आम रास्त पर लाईट ट्रस्ट सेट लगाकर आम रास्ता को बाधित करने पर लाईट ट्रस्ट सेट संचालक एवं गणेशोत्सव समिति के सदस्य के विरूद्ध विभिन्न थाना क्षेत्रो में कोलाहल अधिनियम तथा धारा 285 बीएनएस के अंतर्गत कार्रवाई की गई।

इस कार्यवाही में बिना वैध अनुमति के अपने वाहन में साउंड सेटअप लगाकर तेज आवाज में डीजे बजाने पर, डीजे संचालक के विरूद्ध थाना मोहन नगर क्षेत्र के दुर्गा चौक शंकर नगर दुर्ग में चार पहिया वाहन क्रमांक सीजी/07/जेबी/9813 के चालक विकांत यादव उर्फ विक्की एवं मानस भवन के सामने शक्ति नगर दुर्ग में चार पहिया वाहन कमांक सीजी/07/8996 के चालक गजेन्द्र देवांगन द्वारा तेज आवाज में डीजे बजाने पर कोलाहल अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की गयी।

थाना सुपेला क्षेत्र में रावण भाठा सुपेला में शेख जिशान द्वारा बिना किसी वैध अनुमति के डीजे साउंड सेटअप अपने चार पहिया वाहन कमांक सीजी/07/सीयू/4723 में तेज आवाज में डीजे बजाने पर कोलाहल अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही किया गया। कुल 04 डीजे संचालकों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया । थाना पद्मनाभपुर क्षेत्र में सुराना कॉलेज के सामने आम रोड दुर्ग में पवन राहंगडाले द्वारा बिना किसी वैध अनुमति के डीजे साउंड सेटअप अपने वाहन कमांक एमच/35/एजे/1448 में तेज आवाज में डीजे बजाने पर कोलाहल अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही किया गया।

इसी प्रकार सुराना कॉलेज चौक, रूमी बाबा द्वार के सामने आम रोड पर लाईट ट्रस्ट सेट लगाने से आम जन को आने जाने में कॉफी परेशानी होने पर लाईट ट्रस्ट सेट के संचालक मुस्कान मित्तल एवं काल रात्रि गणेशोत्सव समिति के सदस्य आफताब कुरैशी के विरूद्ध धारा 285 बीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया एवं लाईट ट्रस्ट सेटअप को जप्त किया गया। कुल 04 डीजे संचालकों, 01 लाईट ट्रस्ट सेट संचालक एवं गणेशोत्सव समिति के सदस्य के विरूद्ध कार्यवाही किया गया ।

ढाई लाख में चपरासी और 4 लाख में बाबू की पोस्ट, दुर्ग में पकड़ाए ठग पिता-पुत्र, 70 लाख की ठगी का खुलासा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के अंजोरा चौकी क्षेत्र में मंत्रालय में चपरासी व बाबू की नौकरी लगवाने का झांस देकर 12 लोगों से लाखों की ठगी करने वाले पिता पुत्र पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। बाप बेटे ने मिलकर 12 लोगों को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगा है। अब तक 70 की ठगी का खुलासा हुआ है। मामले में एक आरोपी फ़रार है जिसके पकड़े जाने पर और भी मामलों का खुलासा हो सकता है।

प्रार्थी संतराम देशमुख पिता स्व. धन्नू लाल देशमुख उम्र 54 वर्ष ग्राम चिरवार थाना अर्जुन्दा जिला बालोद (छ.ग.) द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 2/07/2022 को भेषराम देशमुख के सरकारी स्टाफ क्वार्टर वेटनरी कालेज में मेषराम देशमुख,

रविकांत देशमुख, अपने सांथी अरूण मेश्राम निवासी राजनांदगांव के साथ मिलकर मंत्रालय में सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर 5 लाख रुपए ले लिए। तीनों ने रुपए तो लिए लेकिन नौकरी नहीं लगवा पाए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया।

विवेचना दौरान अन्य प्रार्थी लोमश देशमुख हेमंत कुमार साहू द्वारा उपरोक्त आरोपियों के विरूद्ध नौकरी लगाने के नाम से नगदी व आनलाईन स्थानांतरण से रकम लेकर नौकरी नहीं लगाकर धोखाधड़ी करने की लिखित शिकायत दिए। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश की। भेषराम तथा उनके पुत्र रविकांत देशमुख को बस स्टैंड दुर्ग से पकड़कर पूछताछ की गई। दोनों ने बताया कि अरूण मेश्राम निवासी राजनांदगांव के साथ मिलकर नौकरी लगाने के नाम पर करीबन 70 लाख रुपए की धोखाधड़ी करना कबूल किया गया।

प्रार्थी व गवाहों तथा आवेदकों का कथन लेखबद्ध कर संबंधित दस्तावेज, आनलाईन स्थानांतरण रकम का स्टेटमेंट जप्त कर आरोपियों की पतासाजी कर 06 सितंबर 2025 को आरोपी जिसमें आरोपी अरूण मेश्राम की पतासाजी की गई जो फरार है। गिरफ्तार पिता पुत्र द्वारा धोखाधड़ी से बंटवारे में अपने हिस्से में प्राप्त रकम करीबन 20 लाख रुपए में से ग्राम कुथरेल में 12 लाख रुपए का प्लाट तथा बचे पैसों को पिता पुत्र द्वारा खर्च करना बताया गया। जिससे संबंधित दस्तावेज जप्त कर आरोपियों को 06 सितंबर 2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कराया गया है।

दंपत्ति पर प्राणघातक हमला, तीन गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में राजधानी बार से शुरू हुआ विवाद देर रात युवक और उसके परिवार पर जानलेवा हमले में बदल गया। आरोपियों ने न सिर्फ युवक विकास मिश्रा पर चाकू से हमला किया, बल्कि उसके माता-पिता पर भी प्राणघातक हमला किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रार्थी विकास मिश्रा (20 वर्ष) निवासी वार्ड 16 कन्हार पारा, शिवपुरी जामुल, जो भिलाई स्टील प्लांट में ठेकेदारी में हेल्परी का काम करता है, ने बताया कि 5 सितंबर को रात करीब 10:45 बजे वह राजधानी बार से बाहर निकल रहा था। तभी उसके ही मोहल्ले के रहने वाले पंकज साहू, सागर और आकाश राजपूत उर्फलालू दरवाजे के पास धक्का मारते हुए अंदर आ गए। विकास ने उन्हें संयम से चलने की बात कही, लेकिन वे गाली-गलौच करने लगे और धमकी दी कि तुझे देख लेंगे। इसके बाद विकास घर लौट गया।

6 सितंबर की रात करीब 12:20 बजे विकास अपने घर के सामने पहुंचा तो पंकज साहू, सागर और आकाश राजपूत उर्फलालू हाथ में चाकू और रॉड लेकर खड़े थे। पंकज साहू ने चाकू से गर्दन के पास वार किया, जिसे विकास ने झुककर बचा लिया, लेकिन दूसरी बार चाकू उसके बाएं आंख के पास लगा जिससे वह घायल हो गया। हमले की सूचना मिलते ही विकास के पिता आई डी मिश्रा, मां उषा मिश्रा और भाई बीच-बचाव करने पहुंचे। आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया। पंकज साहू ने पिता के कंधे पर चाकू से वार किया, जिससे गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। आकाश राजपूत ने मां उषा मिश्रा को बाल पकड़कर पीटा जिससे उनके चेहरे और सीने में दर्द की शिकायत हुई। सागर भी हमला कर रहा था। हमले के बाद घायल पिता को पहले शासकीय अस्पताल सुपेला ले जाया गया। डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति देखते हुए उन्हें दुर्ग रिफर कर दिया। परिवार ने पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कराई। जामुल पुलिस ने विकास मिश्रा की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया। तीनों आरोपियों पंकज साहू, सागर और आकाश राजपूत उर्फलालू के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(2)-BNS (जानलेवा हमला) और धारा 3(5)-BNS के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है।

सुरक्षाबलों की कार्रवाई : नक्सलियों का विस्फोटक डम्प बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। जिले के उसूर थाना क्षेत्र के ग्राम गुंजेपर्ती के जंगलों में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की बड़ी साजिश को नाकाम करते हुए भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और उपकरण बरामद किए हैं। यह कार्रवाई संयुक्त रूप से कोबरा 205, केरिपु 196 यंग प्लाटून बस्तरिया, और केरिपु 229 द्वारा की गई।

सूत्रों के अनुसार एफओबी गुंजेपर्ती क्षेत्र में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान जंगलों में छिपाकर रखे गए हथियार व विस्फोटक तैयार करने के उपकरणों और अन्य सह उपकरण तथा भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री का एक बड़ा डम्प बरामद किया गया। जिसमें लेथ मशीन, इलेक्ट्रिक जनरेटर, वाटर पम्प, इलेक्ट्रिक कटर हाइड्रोलिक सिलेंडर, जेक्स, स्पूलर, मोटर पार्ट्स, औधोगिक उपयोग की वस्तुएं, वायर, टूल बॉक्स, ड्रिल बिट्स, स्टील प्लेट्स, कंटेनर विस्फोटक निर्माण सामग्री और दवाइयां शामिल है। बरामद सभी सामग्री को सुरक्षा मानकों के अनुसार नष्ट कर दिया गया। इससे नक्सलियों की संभावित बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया गया है। यह कार्यवाई नक्सली नेटवर्क को कमजोर करने की दिशा में एक बड़ी सफलता है।

विसर्जन जुलूस में बोलेरो से कुचलने वाला चालक गिरफ्तार, भेजा जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में विसर्जन जुलूस के दौरान भीड़ पर बोलेरों दौड़ाने वाले चालक सुखसागर को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी चालक सुखसागर दास को घटना दिनांक को ही पुलिस ने ले लिया था, हिरासत में, अत्यधिक घायल होने से अंबिकापुर में इलाज चल रहा था। ठीक होने पर पुलिस ने आरोपी सुखसागर दास को विधिवत गिरफ्तार जेल भेज दिया है। आरोपी चालक सुखसागर दास के विरुद्ध थाना बगीचा में BNS की धारा 281, 125(A), 105 के तहत

कार्रवाई की गई है।

बता दें 2 सितंबर को थाना बगीचा क्षेत्रांतर्गत ग्राम जूरुडांड में ग्रामीणों के द्वारा रात्रि करीबन 11 बजे गणेश प्रतिमा विसर्जन हेतु ले जाया जा रहा था। इस दौरान विसर्जन रैली में लगभग 100 -150, ग्रामीण शामिल थे व पीछे ट्रैक्टर व डीजे चल रहा था। इस दौरान ग्राम कुदमुरा निवासी सुखसागर दास नशे में धुत होकर अपने बोलेरो वाहन क्रमांक CG 15 CR1429 को तेजी से चलाते हुए गणेश प्रतिमा विसर्जन में शामिल लोगों पर चढ़ा दिया। हादसे में मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई और एक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई।

घटना के सूचना मिलने पर पुलिस व प्रशासन की टीम के द्वारा तत्काल मौके पर पहुंच कर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया था। साथ ही जिले के कलेक्टर रोहित व्यास व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह, के द्वारा घटना स्थल पहुंच कर अन्य अधिकारियों साथ मामले की लगातार मॉनिटरिंग करते हुए घायलों के उचित ईलाज की व्यवस्था की गई थी। पुलिस के द्वारा घटना स्थल से ही आरोपी वाहन चालक सुखसागर दास को अभिरक्षा में लिया गया था। आरोपी चालक सुखसागर दास भी घायल था, अत: पुलिस के द्वारा शासकीय अस्पताल अंबिकापुर में उसका इलाज कराया जा रहा था। उसके ठीक होने पर पुलिस के द्वारा पूछताछ की गई। आरोपी सुखसागर दास ने अपना अपराध स्वीकार किया। प्रर्याप्त अपराध सबूत पाए जाने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि थाना बगीचा क्षेत्र के ग्राम जूरुडांड में गणेश विसर्जन के दौरान नशे में अपनी बोलेरो गाड़ी से लोगों को कुचलने वाले आरोपी सुखसागर को इलाज के पश्चात विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा है, नशे में वाहन चलने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, पुलिस सख्त कानूनी कार्यवाही करेगी।

मोटरसाइकिल हटाने को लेकर विवाद, युवक पर चाकू से हमला, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। थाना तिल्दा नेवरा क्षेत्र में मोटरसाइकिल हटाने को लेकर हुए विवाद ने चाकूबाजी का रूप ले लिया। घटना में दो युवकों ने मिलकर धारदार चाकू से हमला कर दो लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। मामले में आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस के अनुसार, अपराध क्रमांक 311/2025, धारा 296, 351(3), 109, 3(5) बीएनएस तथा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। घटना 24 जुलाई 2025 की रात करीब 8:30 बजे की है, जब प्रार्थी सतीश यादव के भाई मुकेश यादव और उसके मित्र दिनेश साहू घर के सामने बैठकर बातचीत कर रहे थे। तभी पोई उर्फ चंद्रकांत साहू, धनुष निषाद (20 वर्ष) और सोनू साहू उर्फ हेमंत साहू (21 वर्ष) अपने अन्य साथियों के साथ पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने सड़क पर खड़ी मोटरसाइकिल हटाने को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी।

मना करने पर आरोपियों ने दोनों युवकों को जान से मारने की धमकी देते हुए धारदार चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में मुकेश यादव के पेट और भुजा में जबकि दिनेश साहू के सिर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत मिलने पर तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी कर धनुष निषाद और सोनू साहू को गिरफ्तार कर लिया। घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04 क्यूडी 4895 को भी जब्त किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को न्यायालय में पेश कर ज्यूडिशियल रिमांड पर भेज दिया गया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस की

टीम ने घटना के बाद लगातार निगरानी रखते हुए तकनीकी और मानवीय स्रोतों के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई। उन्होंने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थलों पर विवाद से बचें और किसी भी आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। साथ ही चेतावनी दी कि धारदार हथियार लेकर घूमने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

घायल युवकों का इलाज जारी है और पुलिस अन्य साथियों की तलाश में जुटी हुई है। घटना ने क्षेत्र में चर्चा का विषय बना दिया है और लोग पुलिस की तत्परता की सराहना कर रहे हैं। यह मामला सड़क पर उत्पन्न विवादों के बढ़ते खतरे की ओर भी ध्यान आकर्षित कर रहा है, जिससे समाज में सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है। कुल मिलाकर, तिल्दा नेवरा पुलिस की तेज कार्रवाई ने अपराधियों को पकड़कर न्याय के दायरे में लाने का काम किया है और क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में यह एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने कुचला, मौके पर मौत

रायगढ़। शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सोंडेकेला में सहायक ग्रेड-3 के पद पर पदस्थ श्याम सिंह ठाकुर ड्यूटी के बाद करीब 8 बजे अपने घर पुसौर लौट रहे थे। इसी दौरान आरा मिल के सामने छिंज मेन रोड के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात चारपहिया वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें घायल अवस्था में सिविल अस्पताल पुसौर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। श्याम सिंह के भाई विक्रम ने बताया कि वाहन चालक ने लापरवाही से हादसा हुआ है।

धमतरी में बड़े भाई ने कैंची से छोटे भाई पर किया हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। बाइक को लेकर बड़े भाई ने कैंची से छोटे भाई पर हमला कर दिया। थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सोरिद शांति चौक निवासी आरोपी तेजराम देवांगन उर्फ चुक्कू पिता स्व. रामकुमार देवांगन उम्र 35 वर्ष का अपने छोटे भाई चंद्रकांत उर्फ पिंटू से मोटरसाइकिल को लेकर अक्सर विवाद होता था। बताया गया कि चंद्रकांत अक्सर आरोपी का मोटरसाइकिल मांगकर ले जाता था और उसे खराब हालत में वापस करता था। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच कई बार विवाद हो चुका था।

6 सितंबर 2025 की रात लगभग 10:30 बजे इसी विवाद के चलते आरोपी तेजराम ने अपने छोटे भाई चंद्रकांत पर घर में रखी कैंची से पेट और पीठ पर हमला कर गंभीर चोटें पहुँचाई और घटना के बाद मौके से फरार हो गया। सूचना पर थाना कोतवाली पुलिस ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए आरोपी की तलाश शुरू की और कुछ ही घंटों में आरोपी तेजराम देवांगन उर्फ चुक्कू पिता स्व. रामकुमार देवांगन 35 वर्ष निवासी- सोरिद शांति चौक, थाना सिटी कोतवाली धमतरी, जिला धमतरी को गिरफ्तार कर लिया। गवाहों की उपस्थिति में घटना में प्रयुक्त कैंची जप्त की गई। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक दर्ज कर धारा 109 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया और आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

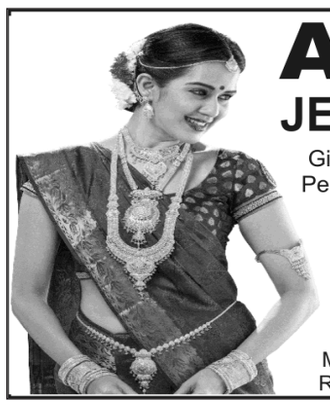
Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षों से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone,
Nano & Double Charge
Verified Tiles Digital Wall &
Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़,
अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी
का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

भारतीय संस्कृति की आत्मा है संस्कृत, हमें इसे नई पीढ़ी तक पहुँचाना होगा : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय संस्कृति की आत्मा संस्कृत में निहित है, जो हमें विश्व पटल पर एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। संस्कृत भाषा व्याकरण, दर्शन और विज्ञान की नींव है, जो तार्किक चिंतन को बढ़ावा देती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के संजय नगर स्थित सरयूपारीण ब्राह्मण सभा भवन में आयोजित विराट संस्कृत विद्वत्-सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि संस्कृत शिक्षा आधुनिक युग में भी प्रासंगिक और उपयोगी है। संस्कृत भाषा और साहित्य हमारी विरासत का आधार हैं, जिन्हें हमें संरक्षित और संवर्धित करना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देववाणी संस्कृत पर चर्चा के साथ यह सम्मेलन भारतीय संस्कृति, संस्कार और राष्ट्र को सुदृढ़ बनाने का एक महान प्रयास है। मुख्यमंत्री श्री साय ने संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संस्कृत भारती छत्तीसगढ़ और सरयूपारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा उन्हें बधाई और शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आधुनिक शिक्षा में संस्कृत भाषा को शामिल करने से विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास सुनिश्चित होगा। संस्कृत में वेद, उपनिषद और पुराण जैसे ग्रंथों का विशाल भंडार है, जो दर्शन, विज्ञान और जीवन-मूल्यों का संदेश देते हैं। वेदों में वर्णित आयुर्वेद, गणित और ज्योतिष आज भी प्रासंगिक हैं और शोध का विषय हो सकते हैं। इन ग्रंथों में कर्म, ज्ञान और भक्ति के सिद्धांत स्पष्ट रूप से प्रतिपादित हैं, जो आधुनिक जीवन में शांति और संतुलन ला सकते हैं।ऐसे में संस्कृत शिक्षा आधुनिक युग में भी उतनी ही प्रासंगिक और उपयोगी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि वेदों और उपनिषदों के ज्ञान को अपनाकर हम अपनी विरासत को संजोने के साथ-साथ अपने जीवन को भी समृद्ध बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें युवाओं को संस्कृत साहित्य से जोड़ने के लिए प्रेरित करना होगा, ताकि वे इस ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुँचा सकें।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि तकनीक के माध्यम से संस्कृत शिक्षा को आकर्षक और प्रासंगिक बनाया जा सकता है। राज्य में संस्कृत विद्वानों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी से इस दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि इस सम्मेलन के माध्यम से हमें संस्कृत विद्या के प्रचार-प्रसार और अगली पीढ़ी को जोड़ने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने सरयूपारीण ब्राह्मण सभा, छत्तीसगढ़ के प्रचार पत्रक का विमोचन भी किया। विराट संस्कृत विद्वत्-सम्मेलन का आयोजन संस्कृत भारती छत्तीसगढ़ एवं सरयूपारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए संस्कृत भारती के प्रांताध्यक्ष डॉ. दादू भाई त्रिपाठी ने कहा कि इतिहास में ऐसे अनेक प्रमाण मिलते हैं, जिनसे सिद्ध होता है कि एक समय संस्कृत जनभाषा के रूप में प्रचलित थी। छत्तीसगढ़ी भाषा का संस्कृत से सीधा संबंध है। छत्तीसगढ़ी में पाणिनि व्याकरण की कई धातुओं का सीधा प्रयोग होता है। उन्होंने यह भी बताया कि सरगुजा क्षेत्र में सर्वाधिक आदिवासी विद्यार्थी संस्कृत की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में सरयूपारीण ब्राह्मण समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया। इनमें गठिया रोग विशेषज्ञ डॉ. अश्लेषा शुक्ला, उत्कृष्ट तैराक श्री अनन्त द्विवेदी तथा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला शामिल थे।

सम्मेलन को दंडी स्वामी डॉ. इंदुभवानंद महाराज, सरयूपारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला और अखिल भारतीय संस्कृत भारती शिक्षण प्रमुख डॉ. श्रीराम महादेव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ. सतेंद्र सिंह सेंगर, अजय तिवारी, बद्रीप्रसाद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में संस्कृत शिक्षकगण, सामाजिक प्रतिनिधि और गणमान्यजन उपस्थित थे।

गौ-सेवा से ही मिलती है सच्ची शांति और ऊर्जा : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने सीएम हाउस में गौमाता को रोटी और गुड़ खिलाकर प्रदेशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री साय ने आज चन्द्रग्रहण से पूर्व मुख्यमंत्री निवास में गौमाता को रोटी और गुड़ खिलाया।

इस अवसर पर उन्होंने पूरे प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गौ-सेवा करने से उन्हें आत्मिक संतोष और नई ऊर्जा का अनुभव मिलता है।

'नवगुरुकुल' में छात्राओं से मिले वित्त मंत्री चौधरी, बढ़ाया हौसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायगढ़ जिले के मेहनती और वंचित युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित नवगुरुकुल प्रशिक्षण केंद्र का रविवार को वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने गढ़उमरिया पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही 120 छात्राओं से संवाद किया और अपने जीवन अनुभव साझा करते हुए उन्हें आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

वित्त मंत्री चौधरी ने छात्राओं से बातचीत करते हुए अपने बचपन के संघर्षों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि मात्र 8 वर्ष की उम्र में पिता का साया उठ जाने के बाद उन्होंने सरकारी स्कूल से बारहवीं तक की पढ़ाई पूरी की और कठिन परिस्थितियों के बावजूद धैर्य, मेहनत और आत्मविश्वास से सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि जीवन में कठिनाइयों से घबराना नहीं चाहिए। आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि नवगुरुकुल को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। वर्तमान में 120 छात्राएँ प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, भविष्य में इसे और विस्तारित किया जाएगा। छात्राओं की सफलता इस विस्तार की मजबूत नींव बनेगी। उन्होंने अधिकारियों को प्रशिक्षण में फिटनेस, योग और खेलकूद जैसी गतिविधियाँ शामिल करने का सुझाव दिया, ताकि छात्राओं का शारीरिक और मानसिक विकास समान रूप से हो सके। वित्त मंत्री ने नवगुरुकुल में छात्राओं के लिए उपलब्ध भोजन, आवास, इंटरनेट, बिजली और पाठ्य सामग्री जैसी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कहा कि यदि किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो छात्राएँ बेहिचक बताएं, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके।

छत्तीसगढ़ शासन
NSEFI RE-Imagining Sustainable India
CSPDCL छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
Knowledge Partner
SHAKTI SUSTAINABLE ENERGY FOUNDATION
छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

सौर ऊर्जा जागरूकता अभियान एवं प्रोत्साहन समारोह

8 सितंबर, 2025

कार्यक्रम स्थल
पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार, रायपुर

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

राज्य सब्सिडी प्रदान - पी•एम• सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना

पीएम-कुसुम योजना के लाभार्थियों का सम्मान

पी• एम• सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना - "सूर्य रथ जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ"

विशेषज्ञों द्वारा वित्तीय, तकनीकी व नीतिगत सत्र

पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना
मासिक बिजली बिल से भी कम ई.एम.आई. में लगाएं रूफ टॉप

सोलर प्लांट क्षमता	केंद्र सरकार की सब्सिडी	राज्य सरकार की सब्सिडी	कुल सहायता राशि	आसान मासिक EMI
1 kW	₹30,000	₹15,000	₹45,000	₹170
2 kW	₹60,000	₹30,000	₹90,000	₹341
3 kW	₹78,000	₹30,000	₹1,08,000	₹818

बैंक द्वारा 6% ब्याज दर पर आसान किश्तों में 10 वर्षों के लिए ऋण सुविधा (ई.एम.आई.) उपलब्ध

QR कोड स्कैन करें
आवेदन प्रक्रिया व अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए लिंक पर जाएं
https://pmsuryaghar.gov.in/

डबल सब्सिडी
केंद्र के साथ मिल रही राज्य की भी सब्सिडी

हमारा संकल्प
हाफ बिजली से मुफ्त बिजली

मोर बिजली CSPDCL
TOLL FREE 1912

सस्ती नहीं, मुफ्त बिजली की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़

RO-45143/93

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950